

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



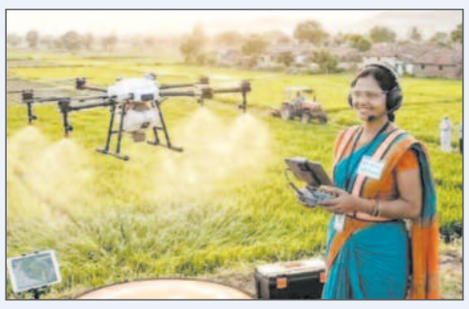
'आठ साल तक नहीं पी एक.. 11

वर्ष - 02, अंक - 222 | गाजियाबाद / शनिवार 14 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अच्छी खबर

'पायलट भाभी' कहता है पूरा गांव मोदी भी हुए मुरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं न घर की महिला अगर कुछ करने को ठान ले तो किसी भी कठिन चुनौती को आसान बना देती है। जी हां आज हम आपलोगों को एक ऐसी ही महिला की कहानी बताने जा रहे हैं जो कि अब पूरे गांव में पायलट भाभ% के रूप में फेमस हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस महिला की मुरीद हो गए हैं और खुद उन्होंने इसकी कहानी बताई। पीएम मोदी ने बताया कि कैसे टेक्नोलॉजी के जरिए महिलाओं की सामाजिक हैसियत भी बदल रही है। एक निजी



चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने पायलट भाभी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खेती के कामों में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं का सम्मान कैसे बढ़ रहा है मैं इसका एक उदाहरण देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं झारखंड की एक ड्रोन दीदी से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे बताया कि उनका स्टेटस पूरी तरह बदल गया है। मैंने उनसे पूछा क्यों। उन्होंने कहा कि अब पूरा गांव उन्हें पायलट भाभी कहता है। यहां तक कि उनके देवर भी उन्हें पायलट भाभी कहते हैं।

पीएम मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बताया

पीएम नरेंद्र मोदी ने नमो ड्रोन दीदी स्कीम के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले लोग गांव में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर पूरी तरह से भरोसा नहीं जताते थे और कहते थे कि यह गांव में सफल नहीं हो पाएगा। लेकिन अब नमो ड्रोन दीदी स्कीम ने गांव की सोच पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इस पहल के तहत ट्रेंड महिलाएं कैसे फर्टिलाइजर और कीटनाशकों का स्प्रे करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं पीएम। पीएम मोदी ने कहा कि खेती में ड्रोन एप्लीकेशन का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है और महिलाएं इसमें और अधिक रुचि दिखा रही हैं। बता दें कि नवंबर 2023 में केंद्र सरकार ने 1261 करोड़ रुपये के खर्च के साथ नमो कृषणा स्कॉब्स को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को 15000 खेती के लिए समर्पित करना था। इस पहल में गांव की महिलाओं को फर्टिल ब्रायन और पेस्टीसाइड स्पाइडर करने के लिए ब्रेकफास्ट की ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे उन्हें और अधिक रोजगार मिलता है और खेती में सेवा देने वाली बनने में मदद मिलती है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने फिर खेला 'खूनी' खेल

● 2 कारों पर की अंधाधुंध फायरिंग, दो महिलाओं समेत 4 की मौत



इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने ये जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना इंफाल-उखरुल रोड पर 'न्यू हेवन' इलाके में हुई, जब हथियारबंद उग्रवादियों ने दो चार-पहिया वाहनों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दोनों कारों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं।

संघर्ष में 306 लोगों की हो चुकी है मौत

मणिपुर में, मई 2023 में घाटी में रहने वाले मैतेई और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं इस संघर्ष में 49 लोग लापता और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नागा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। इधर, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार को संदिग्ध उग्रवादियों के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में कुकी समुदाय की एक महिला की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठन ने जिले में 48 घंटे के पूर्ण बंद का आह्वान किया है।

पीएम ने सीएम का हाथ पकड़ मेट्रो को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के नए हिस्से का किया उद्घाटन

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन के 7.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड हिस्से का उद्घाटन किया। यह हिस्सा कलेना अग्रहारा से एसजी पालया तक है। इसके शुरू होने के साथ ही बेंगलुरु का चालू मेट्रो



नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मेट्रो में सफर भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री शिवकुमार को अपने पास बुलाया और उनका हाथ पकड़कर अपने बगल में खड़ा किया। इसके बाद दोनों ने मिलकर मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

3470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ हिस्सा

पिंक लाइन का यह एलिवेटेड हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें छह स्टेशन शामिल हैं। ये कलेना अग्रहारा, हुलिमावु, बिलेकाहल्ली-आईआईएमबी, एनएस पालया-जेपी नगर चौथा चरण, जयादेवा अस्पताल और एसजी पालया हैं। यह कॉरिडोर बैनरघट्टा रोड के साथ बनाया गया है। जयादेवा अस्पताल स्टेशन पर यात्रियों को येलो लाइन के साथ इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। नए हिस्से पर मेट्रो सेवाएं शनिवार, 14 नवंबर से आम जनता के लिए शुरू होंगी। इससे बैनरघट्टा के लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी।

घाटी में हत्या के बाद आतंकियों के पोस्टर जारी

● 30 लाख का ईनाम, हिजबुल कमांडर पर शक

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। किश्तवाड़ पुलिस ने शुक्रवार को तीन आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन शामिल हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी



में मदद करने वाली सूचना देने वाले को कुल 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आतंकियों पर एसपीओ की हत्या में शामिल होने का आरोप है। आम लोगों से उनकी गतिविधियों और ठिकानों के बारे में जानकारी देने की अपील की गई है। सूचना देने के लिए 9797900958 और 1995357494 नंबर जारी किए गए हैं। पुलिस ने सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का भरोसा दिया है। किश्तवाड़ के दच्छन इलाके में दो एसपीओ लापता हो गए थे।

माइक्रोसॉफ्ट सिस्टम ठप, मच गया कोहराम

तीन फ्लाइट की गई रद्द, 2 लेट, यात्री रहे परेशान

ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस-पुलिस पर असर

शिकागो (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट में तकनीकी खराबी का असर भारत की हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। शुक्रवार सुबह स्पाइसजेट ने दिल्ली से उड़ान भरने वाली 3 फ्लाइट्स रद्द कर दीं, जबकि दरभंगा और मुंबई जाने वाली 2 फ्लाइट्स लेट हुईं। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग की बैंकिंग सेवाओं, ऑस्ट्रेलिया की खुफिया सर्विस, जापान के सरकारी सिस्टम और फिलीपींस की अदालतों के कामकाज पर भी असर पड़ा है। दिल्ली एयरपोर्ट ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक करने को कहा गया है। इंडिगो और अकासा एयर ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की जरूरी



ऑनलाइन सेवाएं करीब 15 घंटे से ठप हैं। ईमेल भेजने, ऑनलाइन मीटिंग करने और क्लाउड पर फाइल सेव करने जैसे काम रुक गए हैं।

एयर इंडिया ने कहा- उड़ानों पर असर नहीं

एयर इंडिया ने बताया कि कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस में आई दिक्कत पर नजर रख रही है। फिलहाल उसकी फ्लाइट ऑपरेशन पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी के कम्युनिकेशन चैनल भी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एयर इंडिया ने कहा कि यात्रियों के ईमेल लगातार मिलते रहें, इसके लिए ईमेल ट्रैफिक को कुछ समय के लिए दूसरे रास्ते से भेजा जा रहा है। कंपनी अपने तय 24 घंटे के समय में ईमेल का जवाब दे रही है। अमेरिका के कई शहरों की सरकारों ने ईमेल से जुड़ी व्यापक समस्याओं की जानकारी दी और निवासियों को सलाह दी कि जरूरत पड़ने पर वे स्थानीय कार्यालयों से संपर्क करें।

पीएम फोन टेप करा रहे, मेरे मोबाइल में है सबूत

● राहुल गांधी ने लगाया प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी का दावा है कि उनके फोन की टैपिंग कराई जा रही है। मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप पर लोकसभा में नेता विपक्ष ने अपने चैनल एक वीडियो मैसेज शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनके पास अपने सभी आरोपों को साबित करने के लिए सबूत मौजूद हैं और ये जानकारियां उनके फोन में भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में मौजूद हैं जिसे प्रधानमंत्री टैप करवा रहे हैं। मेरे



फोन में ऐसी कई जानकारियां और सबूत हैं जो इन आरोपों को साबित कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आमने-सामने की बहस से यह भी साफ हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है। राहुल गांधी के मुताबिक, उनके पास इस संबंध में कई अहम जानकारियां हैं जो उनके फोन में भी मौजूद हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अगर आमने-सामने बैठकर बहस होती है तो कई ऐसे मुद्दों का खुलासा हो सकता है जिनके बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास ऐसे कई सबूत हैं जो उनके आरोपों को साबित कर सकते हैं। एक यूजर ने उनसे पूछा कि जब बीजेपी संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक मंच पर बहस करने पर जोर क्यों दे रहे हैं।

भगवान कृष्ण पर टिप्पणी को लेकर छतरपुर में बवाल

● यादव महासभा और धीरेंद्र शास्त्री के समर्थक आमने-सामने ● धाम जाने वाली सड़कों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

छतरपुर (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान के बाद छतरपुर में विरोध प्रदर्शन ने अब बड़ा रूप ले लिया है। यादव महासभा, ओबीसी महासभा और दामोदर यादव के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन का ऐलान करते हुए बागेश्वर धाम तक पैदल मार्च निकालने की बात कही है। इसे लेकर टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यादव महासभा के लोग वहां जमा होने लगे हैं और दूसरी तरफ बागेश्वर बाबा के समर्थक भी वहां जमा हैं। उनके हाथों में भी लाठी-डंडे हैं। इतना ही नहीं, यादव महासभा के प्रदर्शनकारियों की ओर से बागेश्वर धाम पहुंचकर तालाबंदी करने की चेतावनी भी दी गई है। इसी ऐलान के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती है। शुक्रवार को छतरपुर के रेलवे स्टेशन ग्राउंड में बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग जुटे। इस प्रदर्शन में केवल यादव समुदाय ही नहीं, बल्कि अन्य



समाजों के लोग भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इसी के विरोध में वे आंदोलन कर रहे हैं।

रास्तों पर पुलिस का पहरा- प्रदर्शनकारियों के बागेश्वर धाम कूच करने के ऐलान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। छतरपुर एसपी रजत सकलेचा खुद भारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। बागेश्वर धाम की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। धाम की ओर जाने वाले वाहनों की जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है। इसके अलावा दूसरे जिलों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर छतरपुर में तैनात किया गया है।

अब समर्थक और प्रदर्शनकारी आमने-सामने

इस पूरे घटनाक्रम में अब एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। एक तरफ रेलवे स्टेशन ग्राउंड में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा और दूसरे संगठनों के लोग बड़ी संख्या में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ बागेश्वर धाम जाने वाले रास्ते पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों की मौजूदगी भी बताई जा रही है। ऐसे में दोनों पक्षों के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। पुलिस की कोशिश है कि प्रदर्शनकारियों और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के समर्थकों के बीच किसी भी तरह का सीधा टकराव न हो। बागेश्वर धाम जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं रास्तों पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है।

राघोपुर-बिदुपुर 6 लेन पुल कहलाएगा 'नीतिश सेतु'

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, 25 मिनट में होगा सफर पूरा



पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 21 नवंबर को बिहार आगमन हो रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर छह लेन पुल राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसका नामकरण राज्य सरकार की ओर से नीतिश सेतु किया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि नीतिश सेतु के शुभारंभ के साथ ही प्रधानमंत्री राजापाकर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे।

पटना से वैशाली पहुंचने में 25 मिनट लगेंगे- करीब 9.76 किमी कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच सड़क संपर्क को नई रफ्तार देगा। इसके चालू होने से पटना से वैशाली पहुंचने में महज 20 से 25 मिनट लगेंगे। अभी इस रूट पर महात्मा गांधी सेतु और दूसरे रास्तों के कारण लोगों को ट्रैफिक जाम और लंबी दूरी की परेशानी झेलनी पड़ती है। गंगा नदी पर पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर महासेतु की लंबाई 9.76 किमी है, लेकिन एप्रोच रोड समेत पूरी परियोजना बड़ी है।

● कई जिले के लोगों की भी मुश्किलें होगी कम-कच्ची-दरगाह बिदुपुर छह लेन गंगा सेतु के शुरू होने से कई जिलों के लोगों को राहत मिलने की संभावना है। पटना और वैशाली के अलावा समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जैसे जिलों के पटना आने-जाने वाले लोगों को भी वैकल्पिक और तेज रास्ता मिलेगा। जबकि गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव भी कम होगा।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को लगाई फटकार

बीजेपी का पक्ष लेने वाले जज कौन हैं, लिस्ट दीजिए

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के न्यायपालिका और जस्टिस को लेकर की गई टिप्पणी को गंभीरता से लिया है। गुरुवार को उनकी याचिका सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि सांसद अभिषेक बनर्जी को उन जजों की लिस्ट देनी चाहिए, जो बीजेपी का पक्ष लेते हैं। साथ ही उन्हें टीएमसी का समर्थन करने वाले जजों की सूची भी दें। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी



डायमंड हार्बर के सांसद हैं। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उनकी सिक्युरिटी घटा दी गई। टीएमसी सरकार के दौरान उन्हें जेड+ श्रेणी की सुरक्षा दी जाती थी। अब वह वाय कैटेगरी की सिक्युरिटी दी गई है। अभिषेक बनर्जी ने अपनी सुरक्षा में कमी के फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दे रखी है, जिस पर सुनवाई चल रही है। बीते 7 नवंबर को अभिषेक बनर्जी के बर्थडे सेलीब्रेशन के दौरान बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प हुई थी।

बर्थडे पर सांसद बनर्जी ने किया था जज पर भी कमेंट

हंगामे के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने जूडिशरी सिस्टम और जज पर तीखी टिप्पणी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी के दबाव में उनके सुरक्षा घटाए जाने वाले मामले में आंशिक सुनवाई हुई है। उन्होंने जस्टिस कृष्णा राव का नाम लेते हुए कहा कि इस केस को वेकेशन बेंच में आइटम नंबर 16 के रूप में लिस्ट किया गया था। जज ने आइटम नंबर 15 तक के मामलों की सुनवाई की और फिर उठ गए। सांसद अभिषेक बनर्जी यही नहीं रुके। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका मूकदर्शक बनी हुई है। हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है।

मणिपुर में बड़ा हमला : दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी, दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित न्यू हेवन इलाके में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भी मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी की घटना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेन्गजांग के बीच सुबह करीब 11 बजे दो संदिग्ध विद्रोही गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान खेत में काम कर रही 43 वर्षीय कुकी महिला चोंगलोई की गोली लगने से मौत हो गई थी। उनका शव खेत से बरामद किया गया था। घटना में दो अन्य पुरुष एस. डेविड चोंगलोई (34) और लमखोचोन चोंगलोई (46) भी घायल हुए थे। दोनों को कांगपोकपी जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार दो दिनों में हुई गोलीबारी की इन घटनाओं से मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छठ पर्व : देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून, एजेंसी। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली रात्री गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब 2:15 बजे जैसे ही दून से गोरखपुर जाने वाली रात्री गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, रात्री गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब 3:15 बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

कुंभ-2027 की तैयारियों को लेकर रेलवे स्टेशन पर कसरत तेज, मॉक ड्रिल से परखी जाएगी सुरक्षा व्यवस्था

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 में देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मेला प्रशासन और रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मेलाधिकारी सोनिका, आईजी कुंभ डॉ. योगेंद्र सिंह रावत, उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की मंडलीय रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी कुंभ आयुष अग्रवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हरिद्वार रेलवे स्टेशन का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान यात्री सुविधाओं, ट्रेन संचालन, सुरक्षा प्रबंधों और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं पर विस्तार से मंथन किया गया।



निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नवनिर्मित अनारक्षित टिकट केंद्र, प्रतीक्षालय, यात्रियों के ठहराव के लिए निर्धारित क्षेत्र और आवागमन से जुड़ी प्रस्तावित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रेलवे अधिकारियों ने संभावित यात्री संख्या के अनुरूप की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालुओं की भारी आमद को देखते हुए प्रवेश, निकास, ठहराव और आवागमन की व्यवस्था स्पष्ट एवं व्यवस्थित होनी चाहिए। सभी प्रस्तावित व्यवस्थाओं को मॉक ड्रिल के माध्यम से परखने पर भी जोर दिया गया, ताकि किसी आकस्मिक स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधिकारियों ने स्टेशन परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे सड़कों पर वाहनों की भीड़ न लगे और यातायात प्रभावित न हो। यात्रियों की सुरक्षित निकासी के लिए अधिकाधिक निकास मार्ग उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन सुरक्षा प्रबंध मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। आरक्षित और अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों के लिए स्टेशन और प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के अलग-अलग प्रवेश मार्ग निर्धारित करने तथा विभिन्न दिशाओं में जाने वाले यात्रियों के लिए पृथक प्रस्थान व्यवस्था विकसित करने पर सहमति बनी।

अधिकारियों ने ट्रेनों के आगमन प्रस्थान के समय और यात्रियों की संख्या के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर बल दिया, ताकि एक समय में स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ एकत्र न हो। यात्री दबाव के अनुसार ट्रेन संचालन और सुविधाओं की योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण में सामने आए सुझावों के आधार पर रेलवे अपनी कार्ययोजना को शीघ्र अंतिम रूप देकर मेला प्रशासन के साथ साझा करेगा, ताकि सभी व्यवस्थाएं कुंभ से पहले पूरी की जा सकें।

निरीक्षण के दौरान उत्तर रेलवे के ओएसडी कुंभ राजीव रंजन राजू, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव, वरिष्ठ मंडल अभियंता तेजवीर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट हर गिरि, अपर पुलिस अधीक्षक कुंभ राजेश भट्ट, अपर पुलिस अधीक्षक संचार विपिन कुमार, सीओ जीआरपी अनुज कुमार सहित मेला प्रशासन, पुलिस, जीआरपी और आरपीएफ के अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राधिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कुकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला, वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

- संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के कावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

कुंभ-2027 में जूना अखाड़े की पेशवाई बनेगी आकर्षण का केंद्र, तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कसी कमर

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 में अखाड़ों की भव्य पेशवाइयां धार्मिक और सांस्कृतिक वैभव का प्रमुख आकर्षण बनेंगी। इन पारंपरिक शोभायात्राओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को अखाड़ों की प्राचीन परंपराओं, आध्यात्मिक विरासत और संतों के विशिष्ट स्वरूप के दर्शन होंगे। पेशवाई को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मेला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को मेला प्रशासन, पुलिस और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जूना अखाड़े के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर प्रस्तावित पेशवाई मार्ग, रमता पंचों के विश्राम स्थल और अखाड़े की छावनी तक की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।



पांडेवाला स्थित गुघाल मंदिर परिसर में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती सहित अधिकारियों और अखाड़े के संतों ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद पेशवाई के आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने पांडेवाला मंदिर से जूना अखाड़े की छावनी तक प्रस्तावित पारंपरिक मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख चौराहों, बाजारों, संकरे रास्तों और संवेदनशील स्थानों का जायजा लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्य समय से पूरे करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में श्यामपुर स्थित रमता पंचों के विश्राम स्थल से पेशवाई के प्रस्थान और वहां से प्रारंभिक मार्ग होते हुए जूना अखाड़े की छावनी तक पहुंचने की व्यवस्थाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। साधु-संतों, अखाड़े के प्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए यातायात प्रबंधन, निर्बाध आवागमन और स्वच्छता पर विशेष जोर दिया गया। मार्ग की मरम्मत, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा शिविर, अग्निशमन प्रबंध और रास्ते में आने वाले पेड़ों की छंटाई जैसे कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी सुरक्षा प्रबंधों पर भी चर्चा हुई।

अधिकारियों ने जूना अखाड़े के अध्यक्ष प्रेमगिरि महाराज, उपाध्यक्ष महेश पुरी, सचिव शैलेन्द्र गिरि महाराज और महंत भास्कर पुरी से व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव प्राप्त किए। इन सुझावों के आधार पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, सीओ कुंभ उमेश मलिक, तकनीकी प्रकोष्ठ के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार भट्ट, मुख्य अग्निशमन अधिकारी वंश बहादुर यादव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पवन कार्की और मेला अधिष्ठान के व्यवस्था अधिकारी विकास शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मेलाधिकारी सोनिका ने कहा कि कुंभ मेला-2027 में अखाड़ों की पेशवाइयों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष है। इन्हें सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराना मेला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को अखाड़ों के प्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए।

ईडी हिरासत में आजम खान का छल्का दर्द... शिक्षा का मंदिर बनाना ही मेरी गलती

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार दिन की हिरासत में ले लिया है। गाजियाबाद स्थित विशेष न्यायाधीश ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें डासना जेल से पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस दौरान, आजम खान ने कहा, बच्चों को पढ़ाने का गुनाह किया है। यूनिवर्सिटी बनाई, स्कूल बनाए, शिक्षा का मंदिर एक मुसलमान ने बना दिया, यही एक गुनाह हो गया। ईडी की यह हिरासत 12 की शाम 4:30 बजे से 16 नवंबर की शाम 4:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अदालत ने रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि धन के व्यापक लेनदेन का पता लगाने के लिए आजम से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसके पहले, ईडी ने 30 अक्तूबर को आजम को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था। यह मामला जौहर विश्वविद्यालय के लिए 27 किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने के आरोपों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। आलियागंज के किसानों द्वारा जमीन हड़पने के आरोपों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई, जो एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है, ईडी की हिरासत के चलते टल गई। इन मामलों की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने डासना जेल में आजम से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवपाल ने कहा कि उन्हें अब केवल न्यायालय से ही उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन तथा प्रशासन आजम का उत्पीड़न कर रहा है और उन पर लगाए गए सभी मुकदमों को झूठा बताया। शिवपाल यादव के अनुसार, आजम का एकमात्र दोष गरीब बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाना था।



छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियों पर सियासत तेज, भाजपा और आप आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में छठ पूजा से पहले यमुना नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सोनिया विहार के पास नदी में मरी मछलियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस घटना ने यमुना के प्रदूषण और जल की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यमुना की सफाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नदी को साफ करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि मछलियों की मौत प्रदूषण के कारण हुई या पानी में किसी हानिकारक रसायन के मिलने से। उन्होंने सरकार से इसकी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आप नेता भारद्वाज ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि मरी हुई मछलियां जानबूझकर नदी में डाली गई हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को अपने आरोपों



के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि हजारों मरी हुई मछलियों को इकट्ठा करके नदी में डालने का आरोप निराधार है और दिल्ली सरकार को वास्तविक कारणों का पता लगाना चाहिए।

वहीं, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल यमुना में मरी हुई मछलियां डालकर दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस हरकत को छठ पूजा जैसे धार्मिक मौके से पहले बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और बड़ा पाप बताया। मंत्री सिरसा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यमुना के 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी में क्रूज सेवा शुरू होने और सफाई के प्रयासों से परेशान होकर आप इस तरह की गतिविधियां कर रही है।

इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने मामले में दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब एसीपी सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार अहम और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है।

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यदि



इस तरह का कोई सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है, तब विपक्ष को इसकी जानकारी होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा से संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा करने की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बारे में विपक्ष के किसी भी सदस्य को सूचना नहीं दी है। इसलिए उन्हें फिलहाल ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है।

प्रियंका गांधी वाड्रा अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। जो लोग अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें बोलने से रोका जाता है। पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना विपक्ष की प्राथमिकता है।

डेढ़ साल से पत्नी की राह देख रहा पति, हर दरवाजे पर लगाई गुहार फिर भी नहीं मिला सुराग

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पत्नी के अचानक लापता होने का दर्द एक पति को पिछले डेढ़ साल से दर-दर भटकने को मजबूर कर रहा है। पुलिस थाने से लेकर अधिकारियों के कार्यालयों तक चक्कर लगाने के बावजूद उसे अपनी पत्नी का कोई पता नहीं चल सका है। पत्नी की सकुशल वापसी की उम्मीद में पति और उसके परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए हैं। नगर के मोहल्ला नेजोवाली गांवड़ी निवासी तिलकराम सैनी की पत्नी मूलियावती 19 मार्च 2025 को अचानक घर से लापता हो गई थी। तिलकराम ने इस संबंध में नगीना थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद से ही वह पत्नी की तलाश में लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली। तिलकराम के अनुसार, उसे जानकारी मिली थी कि उसकी पत्नी को किरतपुर, मंडावर, चंदक और बालावाली थाना क्षेत्रों में देखा गया है। इन सूचनाओं के आधार पर वह संबंधित क्षेत्रों के गांवों, जंगलों और सुनसान स्थानों तक में पत्नी को तलाश चुका है। उसने पुलिस अधिकारियों को भी इन संभावित स्थानों की जानकारी दी, लेकिन इसके बावजूद पत्नी का कोई सुराग नहीं मिल पाया। तिलकराम ने भावुक होकर बताया कि उसकी पत्नी मानसिक रूप से कमजोर है। इससे पहले भी वह घर से चली गई थी, लेकिन काफी तलाश करने के बाद वह उसे वापस घर ले आया था। पति का कहना है कि वह अपनी पत्नी से बेहद प्यार करता है और दोनों एक-दूसरे के बिना नहीं रह पाते थे। डेढ़ साल से पत्नी का इंतजार कर रहे तिलकराम को आज भी उसके सुरक्षित घर लौटने की उम्मीद है।



वैशाली: बंद फ्लैट में लगी आग, फायर ब्रिगेड की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेट गाजियाबाद के फायर स्टेशन वैशाली को शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 की दोपहर करीब 3:48 बजे सूचना मिली कि इंदिरापुरम स्थित अवंतिका हॉस्पिटल के पास एक मकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी अग्निशमन अधिकारी वैशाली से दो फायर टेंडर लेकर तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि शक्ति खंड-2 स्थित प्लॉट नंबर 153-ए के फ्लैट नंबर बी-1 (स्वामी अभिषेक कुमार) के बंद फ्लैट में आग लगी हुई है। फ्लैट बंद होने के कारण अंदर अत्यधिक धुआं भरा हुआ था। फायर सर्विस यूनिट ने त्वरित कार्रवाई करते हुए होज पाइप की लाइन तो बिछाई, लेकिन यह पाया गया कि पानी के इस्तेमाल से घर का अन्य सामान बर्बाद हो सकता था। इस पर फायर कर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए फायर एक्सटिंग्विशर और बीडिंग मेथड (बीडिंग मैथर्ड) का प्रयोग कर आग को पूर्ण रूप से बुझाया और उसे आसपास फैलने से रोक लिया, जिससे सामान की भी भारी क्षति बच गई। अंदर भरे घने धुएं के कारण राहत कार्य में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जिसे यूनिट ने स्मोक एक्सजॉस्टर के माध्यम से बाहर निकालकर फ्लैट का पूर्ण वेंटिलेशन किया। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फायर ब्रिगेड की तत्परता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया।



दोहा में अंकुर गोयल का शानदार निशाना, विश्व चैंपियनशिप में व्यक्तिगत रजत और टीम को कांस्य



सहारनपुर (शिखर समाचार)। कतर की राजधानी दोहा में 1 से 14 नवंबर तक आयोजित आईएसएसएफ विश्व शूटिंग चैंपियनशिप-2026 में भारतीय निशानेबाज अंकुर गोयल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया। उन्होंने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा में 583 अंक और 19 इनर टेन के साथ रजत पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने भी इसी स्पर्धा में सामूहिक प्रदर्शन के आधार पर कांस्य पदक जीतकर देश की उपलब्धियों में एक और सम्मान जोड़ दिया। टीम स्पर्धा में भारतीय निशानेबाजों ने कुल 1727 अंक और 57 इनर टेन अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय टीम में अंकुर गोयल ने 583 अंक और 19 इनर टेन, अमनप्रीत सिंह ने 578 अंक और 19 इनर टेन तथा राजकंवर सिंह संधू ने 566 अंक और 19 इनर टेन हासिल किए। तीनों खिलाड़ियों के संयुक्त प्रदर्शन के दम पर भारत पदक जीतने में सफल रहा। अंकुर गोयल की इस उपलब्धि को उनकी वर्षों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और निरंतर अभ्यास का परिणाम माना जा रहा है। व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतने के साथ टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करना उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को दशार्ता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस सफलता से सहारनपुर सहित देश के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

राष्ट्रीय शिखर
सत्यों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

एक्शन मोड में जीडीए: कोयल एन्क्लेव में छठ के चार भव्य घाट तैयार, वीसी नंद किशोर कलाल और सचिव विवेक कुमार मिश्रा ने ग्राउंड जीरो पर परखीं तैयारियां



"लोक आस्था के महापर्व छठ पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधा से कोई समझौता नहीं होगा। कोयल एन्क्लेव के चारों घाटों पर हाईटेक निगरानी और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। साथ ही, रामायण थीम पार्क जैसे सांस्कृतिक महत्व के प्रोजेक्ट को तय डेडलाइन और टॉप क्वालिटी के साथ पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।"



■ नंद किशोर कलाल (आईएएस), उपाध्यक्ष, जीडीए

"कोयल एन्क्लेव में छठ व्रतियों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित माहौल देने के लिए जीडीए की पूरी टीम दिन-रात जुटी है। घाटों पर जल निकासी, पर्याप्त रोशनी, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है, ताकि पर्व का आयोजन यादगार और भव्य हो।"



■ विवेक कुमार मिश्रा, सचिव, जीडीए

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की भव्यता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) पूरी तरह फ्रंटफुट पर आ गया है। व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की चूक की गुंजाइश न रहे, इसके लिए जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल (आईएएस) और सचिव विवेक कुमार मिश्रा ने इंजीनियरों की पूरी फौज के साथ कोयल एन्क्लेव योजना का तूफानी दौरा किया। इस दौरान दोनों शीर्ष अधिकारियों ने छठ घाटों के इंतजामों को बारीकी से परखा और निमार्णाधीन रामायण थीम पार्क की रफ्तार का रियलिटी चेक भी किया।

हाईटेक सुरक्षा और स्वच्छता का संगम: चार घाट

सीसीटीवी और चेंजिंग रूम

ग्राउंड जीरो पर निरीक्षण के दौरान दिखा कि कोयल एन्क्लेव में श्रद्धालुओं के लिए चार आकर्षक छठ घाट बनकर तैयार हैं। घाटों के चारों ओर चकाचक साफ-सफाई के साथ ही ड्रेनेज और जल निकासी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि पूजा के दौरान जलभराव या गंदगी की कोई समस्या न आए। महिला व्रतियों के सम्मान और निजता को सर्वोपरि रखते हुए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। वहीं, असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने और भीड़ प्रबंधन के लिए पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरों की तीसरी आंख से लैस किया गया है।

अफसरों को दो-टूक: लापरवाही की तो खैर नहीं, लाइटिंग और ट्रैफिक रहे दुरुस्त

व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने संबंधित अधिशासी अभियंता और टीम को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि छठ पर्व के दौरान स्वच्छता, निर्बाध प्रकाश व्यवस्था और सुगम आवागमन में रत्ती भर भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दूसरी ओर, सचिव विवेक कुमार मिश्रा ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा कि श्रद्धालुओं से जुड़ी हर जनोपयोगी सुविधा का ग्राउंड पर सुचारु संचालन सुनिश्चित हो, ताकि व्रती पूरी आस्था और सुकून के साथ सूर्य देव को अर्घ्य दे सकें।

रामायण थीम पार्क पर सख्त नजर: डेडलाइन और क्वालिटी से नो कॉम्प्रोमाइज

छठ घाटों के बाद अधिकारियों का काफिला कोयल एन्क्लेव में बन रहे ड्रीम प्रोजेक्ट 'रामायण थीम पार्क' पहुंचा। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने कार्यदायी संस्था को अल्टीमेटम दिया कि प्रोजेक्ट को तय डेडलाइन के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े इस प्रोजेक्ट की गुणवत्ता मानकों से कोई समझौता नहीं होगा और नियमित मॉनिटरिंग कर हर स्तर पर देरी को खत्म किया जाए।

मंसूरपुर पुलिस ने पांच शातिर चोर दबोचे, दो नकबजनी की वारदातों का खुलासा

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मंसूरपुर थाना पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की शत-प्रतिशत 66,300 रुपये की नकदी, बड़ी संख्या में सोने-चांदी के जेवरात तथा दो अवैध तमंचे और चार कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई दोनों चोरी की वारदातों का खुलासा हो गया है। क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय चौधरी ने अपने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि थाना मंसूरपुर क्षेत्र के ग्राम जड़ौदा में 15 अक्टूबर और 9 नवंबर को चोरी की अलग-अलग घटनाएं हुई थीं। इन मामलों में राधेश्याम पुत्र झगडू और सनीस पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम जड़ौदा की तहरीर पर मुकदमे दर्ज किए गए थे। घटनाओं के खुलासे के लिए प्रभारी निरीक्षक विनित कुमार त्यागी के नेतृत्व में पुलिस की दो टीमें गठित की गई थीं। उन्होंने बताया कि 12/13 नवंबर 2026 की रात चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने जड़ौदा से बेरी वाले रास्ते पर सुलेमान की ट्यूबवेल के सामने घेराबंदी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जिशान पुत्र तैय्यब (22), विशु उर्फ पाली पुत्र चन्द्रपाल (22), चाँद पुत्र



सहेन्द्र (19), रवि पुत्र रविन्द्र (20) और गौरव पुत्र अशोक (20), निवासी ग्राम जड़ौदा, थाना मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 66,300 रुपये नकद के अलावा छह जोड़ी पाजेब, पीली धातु की एक अंगूठी, दो मंगलसूत्र, एक टूटी हुई चैन, एक जोड़ी कुंडल, एक ओम, कान के छल्ले, दो अहोई, एक जोड़ी बाली, अहोई के छह बच्चे, एक जोड़ी बिछुआ, एक जोड़ी कड़े, गले की तीन चैन, सफेद धातु की दो अंगूठियां, एक ढोलना, सात जोड़ी चुटकी और एक ब्रेसलेट बरामद किया है। इसके अतिरिक्त 315 बोर के दो अवैध तमंचे और चार जीवित कारतूस भी मिले हैं। पुलिस के अनुसार दोनों चोरी की घटनाओं में चार-चार आरोपी शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हिंडन छठ घाट पर डीएम व नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने हिंडन नदी छठ घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पूर्वांचल समाज के श्रद्धालुओं व पुरबिया जनकल्याण परिषद समिति के सदस्यों के साथ पूजा-अर्चना कर छठ पर्व का शुभारंभ किया और सभी को शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने बताया कि शहर के सभी घाटों पर प्रकाश, पेयजल और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं तथा अधिकारियों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है।



निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों के साथ स्वच्छता अभियान चलाया और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि हिंडन घाट की निगरानी के लिए करीब 60 कैमरे और एक कंट्रोल रूम बनाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए 35 से 40 चेंजिंग रूम, 200 से अधिक अस्थायी व रंग-बिरंगी लाइटें, 4 से 5 मोबाइल टॉयलेट और 60 स्थायी पानी की टंकियां लगाई गई हैं। इसके साथ ही 10 अर्पण कलश, 50 से अधिक सफाई मित्रों की 24 घंटे ड्यूटी और जलकुंभी हटाने के लिए दो नावों की व्यवस्था की गई है। महापौर सुनीता दयाल व नगर आयुक्त के निर्देशन में मुख्य घाट पर इस बार भी भव्य म्यूजिकल लेजर शो और फूलों की सजावट मुख्य आकर्षण रहेंगे। हिंडन के अलावा शहर के अन्य लगभग 80 घाटों पर भी नगर निगम द्वारा सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम ने निकाली जनगणना जागरूकता रैली, नागरिकों से की अनिवार्य भागीदारी की अपील





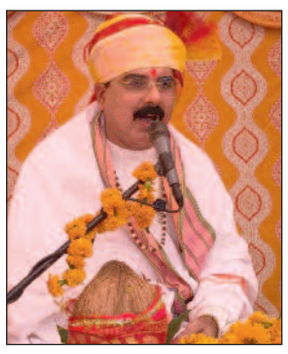
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नागरिकों को जनगणना के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी व नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में शहर के सभी जोनों में टीमें जन-जन को जागरूक करने में जुटी हैं। इसी क्रम में नगर जनगणना अधिकारी व अपर नगर आयुक्त रेनू सिंह द्वारा जनगणना जागरूकता रैली की शुरूआत की गई। सिटी जोन के अंतर्गत नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज से निकाली गई इस रैली में छात्राओं के साथ-साथ अध्यापिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस मौके पर जोनल प्रभारी सुशील चार्ज अधिकारी के रूप में अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे।

अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी व नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नागरिकों से स्व-जनगणना के प्रति जागरूक होने और आगामी अभियान में पूरा सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आगामी एक दिसंबर से चार जनवरी तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनगणना की जाएगी। इसके लिए 3,577 प्रगणकों की तैनाती की गई है, जो घर-घर जाकर सही जानकारी एकत्र करेंगे। 'सही जानकारी, सही योजना' के संदेश के साथ सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय कार्य में अनिवार्य रूप से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई है। शहर के सभी जोनों में कहीं भव्य रंगोली बनाकर तो कहीं रैलियों के माध्यम से लोगों को जनगणना के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

नगर जनगणना अधिकारी व अपर नगर आयुक्त रेनू सिंह ने जानकारी दी कि नागरिक 16 नवंबर से 30 नवंबर तक आधिकारिक पोर्टल (सेंसस डॉट जीओवी डॉट इन) के माध्यम से सरलतापूर्वक अपनी स्व-जनगणना कर सकते हैं। जन-जन तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने के लिए निकाली गई भव्य रैली का संयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्य अंतिमा चौधरी द्वारा व्यवस्थित रूप से किया गया। इस दौरान छात्राओं ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर भी 'सही जानकारी, सही योजना' का संदेश दिया।

भागवत ज्ञान से मिलती है जीवन को सही दिशा, अच्छे संस्कार अपनाने का संदेश

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव जन्धेड़ा समसपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में मंदिर कमेटी के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा संस्कार कार्यक्रम के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ कथा का श्रवण किया। कथा वाचक आत्मानुभवी जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, अध्यात्म और जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने का संदेश दिया। कथा के दौरान आत्मानुभवी जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञान का अमूल्य भंडार है। इसमें मनुष्य को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा, सदाचार, भक्ति और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अच्छे संस्कारों को अपनाना चाहिए तथा माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए। साथ ही ईश्वर के प्रति श्रद्धा और विश्वास बनाए रखना भी आवश्यक है। महाराज ने कहा कि भागवत ज्ञान मनुष्य को अहंकार, लोभ और मोह जैसी बुराइयों से दूर रहकर सद्कर्म करने की प्रेरणा देता है। श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से विचारों में शुद्धता आती है और व्यक्ति के आचरण में सकारात्मक बदलाव होता है। इसके माध्यम से परिवार और समाज में संस्कार, आपसी सद्भाव तथा नैतिक मूल्यों को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में क्षेत्र के महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कथा का श्रवण किया। प्राचीन शिव मंदिर कमेटी के आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा सुनने और धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की।



पांच साल से सड़क की बदहाली पर भड़के किसान, एक्सईएन को भी धरने में बैठाया

बिजनौर (शिखर समाचार)। बिजनौर-नगीना मार्ग पर शास्त्री चौक से वीकेआईटी तक करीब सात किलोमीटर लंबी सड़क की जर्जर हालत से नाराज किसानों ने शुक्रवार को आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए रसीदपुर गढ़ी में धरना शुरू कर दिया। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हेमंत प्रताप सिंह को कर्मचारियों सहित मौके पर बुलाकर अपने बीच धरने पर बैठा लिया। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक सड़क निर्माण का काम शुरू नहीं होगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा। किसानों का कहना है कि पिछले करीब पांच वर्षों से सड़क बदहाल पड़ी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आए दिन



परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के दिनों में गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जबकि वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल आसपास के दुकानदारों और स्थानीय निवासियों के लिए मुसीबत बनी हुई है। किसान नेता नितिन सिरोही ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर कई बार अधिकारियों को ज्ञापन देकर शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। करीब तीन साल तक लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे। बाद में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने सड़क लोक निर्माण विभाग को सौंपने के साथ बजट भी उपलब्ध करा दिया, इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। शुक्रवार को अधिशासी अभियंता से वार्ता में जल्द काम शुरू कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन धरातल पर कोई कार्य दिखाई नहीं दिया। इससे नाराज होकर किसानों ने धरना शुरू कर दिया।

16 नवंबर से घर बैठे स्वगणना कर सकेंगे नागरिक, सुपरवाइजरों को दिए गए दिशा-निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 नवंबर से शुरू होने वाली स्वगणना को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर पालिका परिषद बिजनौर में जनगणना सुपरवाइजरों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वगणना की प्रक्रिया और उसके संचालन को लेकर विस्तार से दिशा निर्देश दिए गए।



बैठक में अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह ने सुपरवाइजरों को स्वगणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 नवंबर से 30 नवंबर तक नागरिकों को स्वयं अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। इस दौरान सुपरवाइजरों को स्वगणना की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संचालित कराने तथा आमजन को इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। रामपाल सिंह ने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं और भविष्य की नीतियों के निर्धारण का महत्वपूर्ण आधार होती है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को समझने और योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने में सहायता मिलती है। उन्होंने आम नागरिकों से स्वगणना में अधिक से अधिक भागीदारी करने की अपील करते हुए कहा कि जनगणना को सफल बनाने में प्रत्येक नागरिक का सहयोग बेहद जरूरी है। बैठक में अवर अभियंता गौरव शर्मा और जनगणना लिपिक नदीम अहमद सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्वगणना अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

'जुनून के आगे उम्र ने टेके घुटने', डॉ. आशीष और अंशुल शर्मा बने आयरनमैन, असंभव को भी कर दिखाया मुमकिन

कानपुर। उम्र, व्यस्तता और जिम्मेदारियां अगर बहाना बन जाएं, तो मंजिल दूर हो जाती हैं। वहीं, मजबूत हौसला और अनुशासन हो तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं। शहर के डॉ. आशीष महेंद्र (58) और अंशुल शर्मा (47) ने अपनी उपलब्धियों से यही साबित किया है। दोनों ने फिटनेस के प्रति समर्पण से शहर का नाम रोशन किया है। खैराबाद आई हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. आशीष महेंद्र ने 58 वर्ष की उम्र में मिसाल कायम की। एक नवंबर को गोवा में आयोजित आयरनमैन प्रतियोगिता के 55-60 आयु वर्ग में उन्होंने हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने आठ घंटे 30 मिनट में 1.9 किलोमीटर तैराकी, 90 किलोमीटर साइकिलिंग और 21.1 किलोमीटर दौड़ पूरी कर आयरनमैन का खिताब हासिल किया। इसी तरह आईटी क्षेत्र में 13 वर्षों से कार्यरत अंशुल ने करीब दो साल पहले खुद को फिट रखने के लिए दौड़ना शुरू किया। पांच और 10 किलोमीटर से शुरू हुआ उनका सफर हाफ मैराथन, फुल मैराथन और 60 किलोमीटर की अल्ट्रा दौड़ तक पहुंचा। इसके बाद उन्होंने करीब 15 घंटे में 100 किलोमीटर की अल्ट्रा मैराथन पूरी की।उनका अगला लक्ष्य आयरनमैन 70.3 गोवा था, जिसे उन्होंने करीब साढ़े छह घंटे में पूरा किया। इसमें 1.9 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21.1 किमी दौड़ शामिल थी। दोनों की उपलब्धियां बताती हैं कि फिटनेस के लिए उम्र बाधा नहीं है। अंशुल का संदेश है कि शुरुआत महज एक किलोमीटर से करें और निरंतरता बनाए रखें।

किसी को देश सेवा की ललक, कोई छूना चाहता है कामयाबी का फलक

बरेली। प्रतिभा सुविधाओं की मोहताज नहीं होती। सरिता और विशाल इसको प्रामाणित कर रहे हैं। पिता के सहयोग से भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा करने के लक्ष्य के साथ बीसलपुर की धावक सरिता (15) बरेली में रेलवे स्टेडियम के ट्रैक पर रोजाना दिन-रात एक कर रही हैं। वहीं, विशाल होटल में काम करके खेल प्रतिभा को पंख लगा रहे हैं। 800 और 1,500 मीटर दौड़ की प्रतिभाशाली धावक सरिता ने बताया कि वह वर्ष 2025 से कोच अजय कश्यप के मार्गदर्शन में रेलवे स्टेडियम में निशुल्क खेल प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। पिता महावीर राठौर बीसलपुर में खेती करते हैं, जिसपर परिवार निर्भर है। खेल के लिए छोटी उम्र में घर से दूर जाने का फैसला किया तो समाज के लोगों ने बेटी को बाहर भेजने पर आपत्ति जताई। हालांकि, पिता ने सपनों को पंख दिए। उन्होंने जिले से लेकर राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में 75 पदक झटके हैं। अब शानदार प्रदर्शन की खबरें अखबारों में छपती हैं तो लोग पिता को बधाई देते हैं। फिलहाल, हैदराबाद में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की अंडर-14 व 16 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना है, जिसकी तैयारियों में जुटी हैं। कोच अजय कश्यप ने बताया कि एथलीट विशाल पिछले एक साल से अभ्यासरत हैं। ऊंची उपलब्धि हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में तीन बार प्रतिभाग कर 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक झटका। विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में 100 मीटर रिले रेस में कांस्य जीता और 400 मीटर दौड़ में पांचवें स्थान पर रहे। विशाल ने बताया कि वह खेल का खर्च उठाने के लिए सुबह 11 से दोपहर तीन बजे और शाम सात से रात 12 बजे तक एक होटल में खाना पकाते हैं। सुबह पांच से नौ बजे और दोपहर तीन से छह बजे तक स्टेडियम में पसीना बहाते हैं।

खुली मिठाई पर एक्सपायरी डेट को लेकर खाद्य व्यापारियों में भ्रम

आगरा। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने बृहस्पतिवार को सूरसदन में खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए कार्यशाला आयोजित की। जहां खाद्य व्यवसायियों ने एफएसएसएआई के निदेशक देवेश कुमार के समक्ष समस्याएं रखीं। कारोबारियों ने कहा कि खुली मिठाई पर बेस्ट बिफोर डेट के नियम पर केंद्र व राज्य स्तरीय विभागों में समन्वय की कमी से भ्रम है। कहा कि खाद्य सुरक्षा विभाग को संवाद पहले, दंड बाद में... नीति अपनानी चाहिए। कार्यशाला में एफएसएसएआई ने खाद्य पदार्थों की शुद्धता का पाठ पढ़ाया। चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से देवेश कुमार माहला को एक प्रत्यावेदन सौंपा गया। अध्यक्ष राजकुमार भगत ने खुली मिठाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एफएसएसएआई के अनुसार खुली मिठाई पर निर्माण और एक्सपायरी तिथि लिखना अनिवार्य नहीं है। इसके बावजूद राज्य स्तर पर इस नियम को लागू किया जा रहा है। दोनों विभागों के बीच समन्वय न होने के कारण एक ही विषय पर दो अलग-अलग निर्देश हैं जिससे व्यापारी भ्रम की स्थिति में हैं और अनावश्यक कार्रवाई का भय बना रहता है। एसोसिएशन के महासचिव अनुज सिंघल ने लाइसेंस, पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया को छोटे व मध्यम उद्यमियों के लिए अधिक सरल व स्पष्ट बनाने की मांग रखी। मुख्य सलाहकार मनीष अग्रवाल ने कहा कि जानकारी के अभाव में हुई चूक पर विभाग को सीधे दंड देने के बजाय पहले चेतावनी, मार्गदर्शन और सुधार का अवसर देना चाहिए। शंकाओं के त्वरित समाधान के लिए क्षेत्रीय स्तर पर हेल्प डेस्क या नोडल अधिकारी की व्यवस्था हो तथा नए नियमों की जानकारी के लिए जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं। कारोबारियों ने आश्वस्त किया कि वे शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपभोक्ताओं तक पहुंचाने तथा नियमों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

निर्माणाधीन नाले की सिल्ट बनी मुसीबत, दो लाख लोग हो रहे परेशान

आगरा। आगरा के बोदला-बिचपुरी रोड पर निर्माणाधीन नाले की कीचड़ से सड़क को संकरा कर दिया है। एक माह से ज्यादा समय बीतने के बाद भी उठाया नहीं है। इस कारण इस प्रमुख मार्ग की एक लेन कई जगह से बंद कर दी गई हैं। यहां से होकर गुजरने वाले तकरीबन दो लाख लोगों को रोजाना ही जाम से जूझना पड़ रहा है। नाले को पक्का करने का काम भी बेहद धीमी गति से चल रहा है। इस रोड से बिचपुरी, अछनेरा, कलवारी, रायभा सहित सैकड़ों गांव शहर से जुड़े हैं। दर्जनों स्कूल, फैक्टरियां, अस्पताल के साथ कृषि महाविद्यालय भी हैं। यहां से हर दिन लाखों लोगों का आवागमन रहता है।

पहाड़ों से आने वाली पछुआ हवा गिराएगी प्रदेश में पारा

पांच डिग्री तक तापमान लुढ़कने के आसार, अलर्ट जारी



लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 15 नवंबर से ठंड बढ़ने के आसार हैं। नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों की ओर से आने वाली तेज ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। इससे दो दिनों में दिन और रात के तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। फिलहाल प्रदेश में मौसम स्थिर है। दिन में गुनगुनी धूप निकल रही है और सुबह-शाम हल्की ठंड का असर बना हुआ है।

बृहस्पतिवार को प्रदेश के छह जिलों में रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं, कई जिलों में दिन के तापमान में भी हल्की गिरावट आई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से होते हुए नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से 15 नवंबर से ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। हवाओं की रफ्तार बढ़ने से वायु गुणवत्ता में सुधार होने की भी उम्मीद है। साथ ही तापमान गिरने से ठंड बढ़ेगी।

बृहस्पतिवार को 26.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ नजीबाबाद में प्रदेश में सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं, 13 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ हरदोई में सबसे ठंडी रात रही।

पटाखों की वजह से बढ़ा प्रदूषण: बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मौसम में ठहराव रहा। हवाओं की रफ्तार धीमी रहने से प्रदेश के कई जिलों में वायु गुणवत्ता बिगड़ी रही। गाजियाबाद में 361, मेरठ में 334, नोएडा में 330 और ग्रेटर नोएडा में 310 एक्यूआई दर्ज किया गया। इन सभी शहरों की हवा रेड जोन में रही, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खराब मानी जाती है। वहीं, राजधानी लखनऊ समेत हापुड़, बुलंदशहर और अनपरा सहित करीब 20 जिलों में हवा ऑरेंज जोन में रही। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कश्मीर और हिमाचल से होते हुए उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से 15 नवंबर से पहाड़ों की ओर से तेज ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। इससे वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही पारा गिरेगा और ठंड बढ़ेगी।

राजधानी में अब पछुआ हवा के जोर से बढ़ेगी ठंड : पछुआ हवाएं चलने से रविवार से राजधानी में ठंड बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि 15 और 16 नवंबर को दिन व रात के पारे में पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। बृहस्पतिवार को दिन में अच्छी धूप के बावजूद दिन व रात के पारे में गिरावट आई। अधिकतम तापमान 1.2 डिग्री की गिरावट के साथ 29.4 और न्यूनतम तापमान एक डिग्री की गिरावट के साथ 15.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

उधर, शहर के सभी वायु गुणवत्ता मापक केंद्रों पर हवा बिगड़ी रही। गोमतीनगर, अलीगंज, लालबाग और तालकटोरा की हवा ऑरेंज जोन में रही, जो सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। लखनऊ का औसत एक्यूआई भी 214 अंक के साथ ऑरेंज जोन में रहा। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कश्मीर और हिमाचल से होते हुए उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से 15 नवंबर से तेज ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। इससे लखनऊ में वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।

गढ़ और तिगरी मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे मुख्यमंत्री योगी, अधिकारियों के साथ करेंगे बैठक



हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार, 14 नवंबर को जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर पहुंचेंगे। यहां वे गढ़ गंगा और तिगरी मेले की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 9 बजे लखनऊ स्थित 5 कालिदास मार्ग से रवाना होंगे। सुबह 9:20 बजे अमौसी हवाई अड्डे पहुंचने के बाद 9:25 बजे गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां सुबह 10:10 बजे पहुंचने के बाद 10:15 बजे हेलीकॉप्टर से गढ़मुक्तेश्वर के लिए रवाना होंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सुबह 10:35 बजे गढ़मुक्तेश्वर के कच्चा घाट, लठीरा स्थित मेला स्थल पर पहुंचेगा। इसके बाद सुबह 10:45 बजे वे बैठक स्थल पर पहुंचेंगे। यहां 11:25 बजे तक तिगरी मेले की तैयारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण और अधिकारियों के साथ बैठक का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान मेले से संबंधित व्यवस्थाओं और तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 11:25 बजे बैठक स्थल से रवाना होंगे और 11:35 बजे हेलीकॉप्टर से मेरठ के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका सुबह 11:50 बजे मेरठ कैंट स्थित आरवीसी ग्राउंड पहुंचने का समय निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर संबंधित विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

आवासीय सोसायटियों में हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने की मुहिम तेज



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मादंड की अध्यक्षता में मोहन नगर स्थित आईटीएस कॉलेज में विभिन्न आवासीय सोसायटियों के अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्षों एवं सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना जरूरी है। उन्होंने सोसायटियों के पदाधिकारियों से अपने क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे सभी नागरिकों की पहचान कर उनका मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित कराने की अपील की, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे नागरिकों से प्रपत्र-6 भरवाकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई जाए। वहीं, मतदाता पहचान पत्र अथवा मतदाता सूची में दर्ज विवरण में संशोधन कराने के लिए प्रपत्र-8 भरने की जानकारी भी दी गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि 17 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद सभी नागरिक ईसीआई नेट ऐप के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं मिलता है तो वह तत्काल प्रपत्र-6 भरकर संबंधित बीएलओ से संपर्क करे। उन्होंने एओए और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से सोसायटियों के प्रत्येक परिवार तक यह जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी और सोसायटी पदाधिकारी इस अभियान को प्राथमिकता देते हुए जनभागीदारी सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप, उप जिलाधिकारी अजीत सिंह, अपर उप जिलाधिकारी राम शंकर सहित संबंधित अधिकारी और विभिन्न आवासीय सोसायटियों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनगणना-2027 की स्वगणना के लिए 30 हजार नागरिकों को जोड़ने का लक्ष्य, 16 नवंबर से शुरू होगी प्रक्रिया



हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित चार्ज अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर तैयारियां पूरी करने और जनपद के लिए तय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय और जिम्मेदारी के साथ इसे सफल बनाएं।

बैठक में बताया गया कि जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत 16 से 30 नवंबर 2026 तक स्वगणना की प्रक्रिया संचालित होगी। इस दौरान नागरिकों को अपने परिवार से संबंधित 40 प्रश्नों के उत्तर स्वयं दर्ज करने होंगे। यही प्रश्न बाद में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर भी पूछे जाएंगे। स्वगणना करने वाले परिवारों के मामले में प्रगणक पहले से दर्ज जानकारी का सत्यापन करेंगे, जिससे समय की बचत होगी और जनगणना का कार्य अधिक सरल एवं व्यवस्थित बनेगा।

अधिकारियों ने बताया कि प्रथम चरण में जनपद के लगभग 9 हजार नागरिकों ने स्वगणना में भाग लिया था। इस बार 30 हजार से अधिक नागरिकों को इस प्रक्रिया से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिला प्रशासन व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाएगा। कलेक्ट्रेट, सरकारी कार्यालयों, पुलिस थानों, तहसीलों, चिकित्सालयों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर होर्डिंग एवं बैनर लगाए जाएंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रभात फेरियों तथा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप चैनलों और डिजिटल माध्यमों से भी प्रचार किया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम के कूड़ा संग्रहण वाहनों और अन्य नागरिक उपयोगिता वाहनों से लाउडस्पीकर के माध्यम से प्रचार होगा तथा सिनेमा हॉलों में फिल्मों से पहले जागरूकता स्लाइड दिखाई जाएंगी।

जिलाधिकारी ने नागरिकों से 16 से 30 नवंबर के बीच स्वगणना में भाग लेने और परिवार, मित्रों तथा पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को जागरूकता अभियान में तेजी लाकर निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार पंत, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) अभिषेक शुक्ला, तहसीलदार सचिन कुमार, उप नगर आयुक्त रुड़की अमरजीत कौर, खंड विकास अधिकारी नारसन पवन सिंह सैनी, खानपुर आलोक गार्गेय और रुड़की सुमन कोठियाल सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी भी मौजूद रहे।

स्कूल-कॉलेजों में बनेंगे इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, युवाओं को मतदान और चुनाव प्रक्रिया की मिलेगी जानकारी

गोरखपुर, एजेंसी। युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनाव प्रक्रिया और मतदान के अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए जिले में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) बनाए जाएंगे। युवाओं को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ने और उन्हें जागरूक मतदाता बनाने के लिए इन क्लबों का गठन किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और चुनाव की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

चुनावी जागरूकता बढ़ाई जाएगी : क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों को ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली से परिचित कराया जाएगा। इसके अलावा प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता, मॉक पोल और अन्य गतिविधियों के जरिये चुनावी जागरूकता बढ़ाई जाएगी। 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

ईएलसी 2.0 का नारा है लर्न डेमोक्रेसी, लीड डेमोक्रेसी : जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि निर्वाचन आयोग की व्यवस्था के अनुसार स्कूलों में कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए ईएलसी बनाए जाते हैं। कॉलेजों में 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी इसके सदस्य बन सकते हैं। वहीं, स्कूल और कॉलेज से बाहर रहने वाले युवाओं और ग्रामीण आबादी तक पहुंचने के लिए चुनाव पाठशालाओं की भी व्यवस्था है। ईएलसी 2.0 का नारा, लर्न डेमोक्रेसी, लीड डेमोक्रेसी है।

प्रीति सिंह ने 18124 फीट की ऊंचाई पर रचा कीर्तिमान,

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम, युवाओं को जंक फूड से बचने की सलाह



बरेली, एजेंसी। हौसले और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर इंसान किसी भी मुश्किल लक्ष्य को हासिल कर सकता है। इसका उदाहरण बरेली की रहने वाली फिटनेस एवं न्यूट्रिशन कोच प्रीति सिंह ने कर दिखाया है। उन्होंने लेह-लद्दाख स्थित फोटी ला दर्रे पर समुद्र तल से 18,124 फीट की ऊंचाई पर महज 15 सेकंड में सात पुश-अप लगाकर अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। उनकी इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। रिकॉर्ड दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद से परिवार में खुशी का माहौल है।

मूल रूप से पंजाब की रहने वाली प्रीति सिंह वर्तमान में बरेली कैंट क्षेत्र में रहती हैं। उनके पति कर्नल गुरुसिमरन दीप सिंह भारतीय सेना में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं। प्रीति के दो बच्चे हैं। उनकी 11 वर्षीय बेटी सहज सिंह और छह वर्षीय बेटी सहर सिंह हैं। प्रीति अपने पति और बेटी के साथ लेह-लद्दाख घूमने गई थीं। इसी दौरान उन्होंने फोटी ला दर्रे पर यह रिकॉर्ड बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि फोटी ला दर्रा दुनिया के ऊंचे पर्वतीय दर्रों में छठे स्थान पर है। इतनी अधिक ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर काफी कम होने के कारण उन्हें सांस लेने में परेशानी हो रही थी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य को पूरा किया।

प्रीति ने बताया कि दूसरे बच्चे के जन्म के बाद उन्होंने फिटनेस कोचिंग को अपना पेशा बनाया। भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि महिलाओं के लिए घर और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच खुद की फिटनेस पर ध्यान देना काफी मुश्किल होता है। इसी सोच के साथ उन्होंने फिटनेस कोच बनने का फैसला किया। वर्तमान में वह ऑनलाइन माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि रोजाना 10 से 12 घंटे काम करने वाले लोगों को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना चाहिए। दिनभर के खानपान में प्रोटीन, फाइबर और विटामिन सहित सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल होने चाहिए। किसी भी खाद्य पदार्थ का जरूरत से ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। युवाओं को जंक फूड से दूरी बनानी चाहिए और मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए। शरीर हमारे मंदिर के समान है, इसलिए इसकी देखभाल करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को रोजाना कम से कम एक घंटा अपने शरीर और स्वास्थ्य के लिए जरूर निकालना चाहिए।

दूसरे बच्चे के बाद चुना फिटनेस का रास्ता

प्रीति सिंह ने बताया कि दूसरे बच्चे के जन्म के बाद उन्होंने फिटनेस कोचिंग के क्षेत्र में कदम रखा। उनका मानना है कि महिलाएं परिवार और जिम्मेदारियों के बीच अपनी सेहत को अक्सर प्राथमिकता नहीं दे पाती हैं। वह ऑनलाइन फिटनेस कोचिंग के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनका संदेश है कि उम्र और व्यस्तता चाहे जो भी हो, हर व्यक्ति को अपनी फिटनेस के लिए प्रतिदिन एक घंटा जरूर देना चाहिए।

वेयरहाउस से दस लाख रुपये का 20 किलो गांजा बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूम मानिकपुर स्थित एक वेयरहाउस में पुलिस ने डिलीवरी के लिए आए दो पैकेटों से लगभग 20 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। इन पैकेटों पर दिल्ली भेजने का पता लिखा हुआ था, जिसे लेकर पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूम मानिकपुर गांव के समीप स्वास्तिक लॉजिस्टिक कंपनी का वेयरहाउस स्थित है। इस वेयरहाउस में स्थानीय डिलीवरी के लिए दो पैकेट कंसाइनमेंट आए थे, जिन्हें उड़ीसा से बुक किया गया था और उन पर दिल्ली का पता अंकित था। ये दोनों पैकेट गोदाम में रखे हुए थे। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस टीम ने वेयरहाउस की जांच की और उक्त दोनों पैकेटों की तलाशी ली। जांच के दौरान दोनों पैकेटों से करीब 20 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ को अपने कब्जे में ले लिया है। घटना के समय वेयरहाउस पर मैनेजर के रूप में वसीम तैनात थे। पुलिस इस मामले की गहराई से छानबीन कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस खेप को भेजने और मंगाने के पीछे किसका हाथ था।

जेवर ब्लॉक में बाल वाटिका खेल मेले को लेकर शिक्षकों का ओरिएंटेशन आयोजित



जेवर (शिखर समाचार)। जेवर ब्लॉक में शुक्रवार को बाल वाटिका खेल मेले के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर शिक्षकों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। एआरपी हरेंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सुनील दत्त मुदगल के सानिध्य में लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के कोऑर्डिनेटर दिलीप शर्मा और उन्होंने संयुक्त रूप से ब्लॉक में संचालित बाल वाटिकाओं के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में 19 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सत्र के दौरान पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से शिक्षकों को खेल मेले के मुख्य उद्देश्य, आयोजन की रूपरेखा और बच्चों के साथ कराई जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि खेल आधारित गतिविधियों के जरिए बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास को किस प्रकार प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया जा सकता है। इस अवसर पर लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन की ओर से खेल मेले में बच्चों के उपयोग हेतु आवश्यक रेफरेंस सामग्री और शिक्षण अधिगम सामग्री भी उपलब्ध कराई गई, ताकि मेले का आयोजन सुचारू और रोचक ढंग से संपन्न हो सके।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर लामबंद हुए फार्मेसिस्ट, सीएमओ कार्यालय पर किया प्रदर्शन



शामली (शिखर समाचार)। अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान फार्मेसिस्टों ने एक दिवसीय कार्य बहिष्कार कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा और समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग उठाई। धरने को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष यूएस भट्ट ने कहा कि फार्मेसिस्ट लंबे समय से अपनी 18 सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर जनपद मुख्यालय पर धरना दिया गया है। आंदोलन के अगले चरण में 20 नवंबर को लखनऊ में प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगों का गंभीरता से निस्तारण नहीं किया तो जनपद के फार्मेसिस्ट लखनऊ पहुंचकर आंदोलन में शामिल होंगे और संघर्ष को और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर सचिव संजीव शर्मा, गजेन्द्र, आजम, मनोज, सुनील, नितिन, अमित, दीपक शर्मा, परमेन्द्र, पंकज कुमार, आदेश, प्रवीन, अरविन्द, योगेन्द्र, शिवम और मोहम्मद अली सहित अन्य फार्मेसिस्ट मौजूद रहे।

शामली शुगर मिल की तकनीकी खराबी ने बिगाड़ी शहर की रफ्तार, गन्ना वाहनों से लगा भीषण जाम

शामली (शिखर समाचार)। त्रिवेणी ग्रुप की शामली शुगर मिल में पेराई सत्र शुरू होने के अगले ही दिन तकनीकी खराबी के चलते कामकाज बाधित हो गया। मिल में गन्ने की पेराई रुकने से शुक्रवार को शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। मिल गेट से अग्रसैन पार्क और हनुमान रोड तक गन्ने से लदे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा।



जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को मिल में अचानक तकनीकी खराबी आने से गन्ने की पेराई प्रभावित हो गई। गन्ने की आपूर्ति नहीं होने के कारण किसान अपने वाहनों के साथ मिल के बाहर इंतजार करते रहे। देखते ही देखते वाहनों की कतारें बढ़ती चली गईं और जाम ने शहर के प्रमुख मार्गों को अपनी चपेट में ले लिया। वर्मा मार्केट, वीवी इंटर कॉलेज रोड, शिव चौक और भिक्की मोड़ तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम के कारण राहगीरों, वाहन चालकों, दुकानदारों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। मिनटों का सफर तय करने में लोगों को घंटों लग गए। जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस की व्यवस्था भी नाकाफी दिखाई दी। गन्ना वाहनों को शहर के बाहर रोकने की समुचित व्यवस्था नहीं होने से समस्या लगातार गंभीर होती चली गई। मिल अधिकारी दीपक राणा ने बताया कि मिल में कोई बड़ी समस्या नहीं है और जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए कुछ गन्ना वाहनों को मिल के बाहर ही रोक दिया गया है।

मुकदमा वापस लेने के बदले 15 लाख रुपये मांगने का आरोप, सभासद के पति से मारपीट की शिकायत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की श्याम सिंह विहार कॉलोनी में मुकदमा वापस लेने के एवज में सभासद के पति से 15 लाख रुपये मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि रकम देने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई और दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। श्याम सिंह विहार कॉलोनी निवासी सभासद जूलिता नेहरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पति गौरव नेहरा किसी काम से बाजार जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कॉलोनी की ही रहने वाली दीपमाला दुबे ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि दीपमाला ने कहा कि वह उनके द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे को वापस लेने के लिए तैयार है, लेकिन इसके बदले 15 लाख रुपये देने होंगे। गौरव नेहरा द्वारा मांग पूरी करने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई और दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी गई। शिकायत में यह भी बताया गया है कि पूरी घटना घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर दीपमाला दुबे के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

16 नवंबर से शुरू होगा स्व-गणना अभियान, प्राधिकरण ने आरडब्ल्यूए व एओए के साथ की बैठक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 को सफल बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। जनगणना के दूसरे चरण के अंतर्गत एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पूर्व, 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक आम नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी, जिसके माध्यम से लोग घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल पर अपने परिवार का संपूर्ण विवरण दर्ज कर सकेंगे। इसी क्रम में शुक्रवार को प्राधिकरण के बोर्ड रूम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) एवं नगर जनगणना अधिकारी सुमित यादव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) मुकेश कुमार सिंह, अभिषेक पाठक और लवगीत कौर की मौजूदगी में विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नगर जनगणना अधिकारी ने सभी प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे



अपने-अपने सेक्टरों और आवासीय सोसायटियों में निवासियों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करें, ताकि इस राष्ट्रीय कार्य में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। स्व-गणना के लिए नागरिकों को आधिकारिक पोर्टल (एसई डॉट सेंसस डॉट जीओवी डॉट इन) पर जाकर अपने राज्य व पसंदीदा भाषा का चयन करना होगा। इसके पश्चात मोबाइल नंबर के जरिए ओटीपी सत्यापन कर परिवार के मकान, आवासीय स्थान और सभी सदस्यों का विवरण भरकर फॉर्म सबमिट करना होगा। प्रक्रिया पूर्ण होने पर नागरिक को एक विशेष स्व-गणना आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य है। घर-घर सर्वेक्षण के दौरान जनगणना कर्मी इसी आईडी के माध्यम से दर्ज किए गए आंकड़ों का सत्यापन करेंगे, और यदि आईडी का मिलान नहीं होता है तो परिवार के सदस्यों का ब्यौरा दोबारा दर्ज किया जा सकेगा। नगर जनगणना अधिकारी एवं एसीईओ सुमित यादव ने सभी शहरवासियों से स्व-गणना अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनगणना अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए सभी नागरिक इसमें उत्साहपूर्वक सहभागिता कर जनगणना-2027 को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

चुनाव की निष्पक्षता के लिए विवादित अधिकारियों को हटाने की मांग, आजाद अधिकार सेना ने सौंपा ज्ञापन



शामली (शिखर समाचार)। आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए आजाद अधिकार सेना ने विवादित अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग उठाई है। इस संबंध में पार्टी पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि निर्वाचन आयोग की ओर से 27 अक्तूबर 2026 को आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अधिकारियों के स्थानांतरण को लेकर जारी निदेशों का प्रभावी अनुपालन चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इससे निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होने से पहले प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था की निष्पक्षता स्थापित हो सकेगी। पार्टी पदाधिकारियों ने मांग की कि लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात चुनाव से जुड़े अधिकारियों का तत्काल स्थानांतरण किया जाए। विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से अधिकारियों के पक्षपातपूर्ण व्यवहार, राजनीतिक निकटता और चुनावी हस्तक्षेप को लेकर की गई शिकायतों तथा मिले फीडबैक की स्वतंत्र जांच कराई जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जिन अधिकारियों पर पक्षपात के विश्वसनीय आरोप हैं, उन्हें चुनाव संबंधी किसी भी जिम्मेदारी से अलग रखा जाए। पार्टी का कहना है कि ऐसा करने से मतदाताओं का निर्वाचन प्रक्रिया पर भरोसा कायम रहेगा और चुनाव निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सकेंगे। इस दौरान विनोद गौत्रा, ओमबीर, मनोज शर्मा, मुकेश, यूनिस सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छठ पूजा को लेकर नगर निगम ने तेज की तैयारियां, दो दिन में व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश



सहारनपुर (शिखर समाचार)। छठ पूजा के पर्व को लेकर नगर निगम ने घाटों पर तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में महापौर डॉ. अजय कुमार और नगरायुक्त शिपू गिरि ने शुक्रवार को निगम अधिकारियों के साथ मानकमऊ स्थित छठ पूजा घाट और बाबा लालदास घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अगले दो दिनों के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। मानकमऊ स्थित छठ पूजा घाट पर निरीक्षण के दौरान अपर नगरायुक्त मृत्युंजय और महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार ने अधिकारियों को बताया कि पानी की टंकी पर रंगाई-पुताई का कार्य कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था भी की जा रही है। तैयारियों पर संतोष जताते हुए महापौर ने सफाई और प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाने, दो चलित शौचालय उपलब्ध कराने तथा घाट की किनारे वाली दीवारों और वेदियों की पुताई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने घाट के किनारे सुंदर एवं व्यवस्थित मंच तैयार कराने, कपड़े बदलने के लिए चार कक्ष बनाने और अतिरिक्त पर्दों की व्यवस्था करने को भी कहा। इसके बाद बाबा लालदास घाट का निरीक्षण करते हुए नगरायुक्त को महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि नदी से आने वाली तैरती हुई गंदगी को रोकने के लिए घाट के पीछे अवरोधक लगाया गया है। नगरायुक्त ने यहां भी कपड़े बदलने के कक्ष, चलित शौचालय और पेयजल के लिए प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने नदी के पानी का शोधन कराने और सभी कार्य शीघ्र पूरे करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, सहायक नगरायुक्त जेपी यादव, पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा सहित निगम के अनेक अधिकारी मौजूद रहे। पूर्वांचल सभा के पदाधिकारी हरिशरण तिवारी, मिथलेश गिरि, सावन यादव, राजा यादव, अवधेश, अशोक सिंह, बसंत सिंह, सोनू ठाकुर, संदीप रावत और गुड्डू तिवारी भी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेरठ मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी, जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंजनी कुमार सिंह तथा समस्त निर्वाचक और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में मतदान केंद्रों की व्यवस्था, कार्मिकों की उपलब्धता, आवेदनों के निस्तारण, ईपीआईसी वितरण और आगामी विधानसभा चुनाव-2027 के दृष्टिगत एफएलसी ओके ईवीएम मशीनों की स्थिति का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। समीक्षा के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी



और कार्मिक कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा के तहत आने वाले अनुरोधों पर सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तय समय में कॉल बैक करें और किसी भी मतदाता से संपर्क किए बिना उसे अनुपलब्ध न दिखाएं। फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 पर तत्काल फील्ड वेरिफिकेशन रिपोर्ट दी जाए तथा डिजिटाइजेशन के समय नाम, जन्मतिथि, पता और मोबाइल नंबर की शुद्ध प्रविष्टि हो। ईएआरओ स्तर पर सभी प्रविष्टियों की सघन जांच हो, ताकि त्रुटिपूर्ण फॉर्म ईआरओ स्तर तक न पहुंचें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि 28 जुलाई 2026 से पूर्व पंजीकृत या संशोधित मतदाताओं के पहचान पत्र (ईपीआईसी) प्राप्त हो चुके हैं, जिन्हें शीघ्र घरों तक पहुंचाया जाएगा। वहीं, इसके बाद सूची में शामिल हुए मतदाताओं को 31 दिसंबर 2026 तक स्पीड पोस्ट से कार्ड उपलब्ध करा दिए जाएंगे। आगामी 17 नवंबर 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होगी, जिसे निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देखा जा सकेगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सूची में अपना व परिवार का नाम जांच लें और त्रुटि होने पर फॉर्म-8 या नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरें। नागरिक सिटिजन सर्विस पोर्टल (वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन), ईसीआई नेट ऐप या हेल्पलाइन नंबर 1950 का उपयोग भी कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने अधिकारियों के कार्यक्षेत्र का संतुलित आवंटन करने के निर्देश दिए, ताकि किसी पर अनावश्यक कार्यभार न रहे। साथ ही सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों, आरडब्ल्यूए, एओए और 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले नागरिकों का नाम और विवरण अद्यतन करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 18 वर्ष पूरा कर चुके युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के शत-प्रतिशत पंजीकरण तथा मृतक व अपात्र मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाने के निर्देश दिए। बैठक के बाद उन्होंने मीडिया से संवाद कर पुनरीक्षण अभियान की रूपरेखा भी साझा की।

बीकेयू लोकशक्ति ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



जेवर (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के कार्यकताओं ने शुक्रवार को तहसील पहुंच एसडीएम से मुलाकात कर मुरादाबाद टोल पर विरोध प्रदर्शन करने गए यूनियन कार्यकताओं पर किये गए झुंठे मुकदमों को वापस लेने और दोषियों के खिलाफ एक सप्ताह के अंदर कार्यवाई किये जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। बीकेयू लोकशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह ने बताया कि 3 नवंबर को यूनियन के बैनर तले संगठन के पदाधिकारी व स्थानीय किसान अपनी जायज मांगों को लेकर मुरादाबाद के नियमातपुर इकरोटिया टोल प्लाजा पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए गए थे। आरोप हैं कि वहां के टोल मैनेजर ने विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ झुंठे मनगढ़ंत कहानी बनाते हुए मुकदमे दर्ज करा दिये। दिन में प्रदर्शन हुआ और समय रात का दिखा दिया। आरोप हैं कि पुलिस ने भी बिना जांच पड़ताल किये मुकदमे दर्ज कर लिए। जिससे यूनियन कार्यकताओं में रोष हैं। उन्होंने एक सप्ताह में मुकदमे वापस लेने और दोषी टोल मैनेजर व पुलिस कर्मी के खिलाफ कार्यवाई किये जाने की मांग की हैं। उन्होंने उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह को ज्ञापन देते हुए मांग पूरी न होने पर बड़ा आंदोलन किये जाने की चेतावनी दी जाती है। इस मौके पर सुनील भाटी, ओमवीर सिंह भाटी, प्रमोद शर्मा, अमित गौड़, नवीन शर्मा, विनीत शर्मा, बिल्लू खाजपुर, नेकीराम, अशोक, विकल तहसील अध्यक्ष नरेश भाटी अरुण आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रंगों के जरिए विद्यार्थियों ने उकेरा शांति और सद्भाव का संदेश



शामली (शिखर समाचार)। लायंस क्लब शामली क्राउन की ओर से लायंस इंटरनेशनल की अंतरराष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता का प्रथम चरण सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी चित्रकला के माध्यम से विश्व शांति, आपसी भाईचारे, प्रेम और मानवता में सद्भाव का संदेश दिया। प्रतियोगिता का विषय मानवता में सद्भाव रखा गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य उजमा जैदी ने कहा कि विद्यार्थियों की कलाकृतियां उनकी कल्पनाशीलता और प्रतिभा के साथ-साथ उनके विचारों एवं समाज के प्रति दृष्टिकोण को भी दर्शाती हैं। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों को शांति, प्रेम, एकता और भाईचारे जैसे मानवीय मूल्यों को समझने तथा उन्हें कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है।

क्लब अध्यक्ष अंकुर गोयल ने बताया कि लायंस इंटरनेशनल की यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय गतिविधि है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को चित्रों के जरिए विभिन्न देशों, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों के बीच प्रेम एवं सद्भाव का संदेश देने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के अगले चरण में क्लब स्तर पर पोस्टरों का चयन होगा। इसके बाद चयनित पोस्टर डिस्ट्रिक्ट, मल्टीपल और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ चुने जाने वाले विद्यार्थी का पोस्टर लायंस इंटरनेशनल की आधिकारिक पत्रिका के मुख्य पृष्ठ पर प्रकाशित किया जाता है। इस अवसर पर अनुराधा संगल, संजय संगल, गौरव मित्तल, विजय संगल, रुपेश गर्ग, श्वेता गोयल, पारुल संगल, चांदनी गर्ग और मुस्कान संगल आदि मौजूद रहे।

गुरुबाणी के कीर्तन और वाहेगुरु के जयकारों से गूंजा एसजी शिखर परिसर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार सुबह सिद्धार्थ विहार स्थित एसजी शिखर सोसाइटी में श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। सुबह पांच बजे आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में सोसाइटी के निवासियों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गुरुबाणी के पाठ, कीर्तन और वाहेगुरु के सिमरन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

प्रभात फेरी के दौरान श्रद्धालुओं ने अकाल पुरख का सिमरन करते हुए गुरुबाणी का पाठ एवं कीर्तन किया। 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के जयकारों से परिसर गूंज उठा। सुबह की पावन बेला में गुरुबाणी और प्रभु सिमरन के साथ दिन की शुरूआत कर





श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।

आयोजकों ने बताया कि यह प्रभात फेरी 24 नवंबर को मनाए जाने वाले श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। गुरु नानक देव जी का संदेश 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' आज भी मानवता, समानता, सेवा और आपसी भाईचारे की प्रेरणा देता है। आयोजकों ने सोसाइटी के सभी निवासियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, एकता, सद्भाव और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। आगामी 24 नवंबर को प्रकाश पर्व के अवसर पर भी विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। समस्त एसजी शिखर परिवार ने सभी को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं।

संपादकीय

लोकतंत्र में निजता पर सवाल, फोन टैपिंग के आरोपों से फिर गरमाई सियासत

देश की राजनीति में इन दिनों आरोपों और जवाबी आरोपों का दौर एक बार फिर तेज हो गया है। संसद से लेकर सोशल मीडिया तक राजनीतिक संवाद का केंद्र बने मुद्दों में अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का फोन टैपिंग संबंधी आरोप भी जुड़ गया है। राहुल गांधी ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका फोन टैप करवा रहे हैं और उनके मोबाइल में उन तमाम आरोपों के प्रमाण मौजूद हैं, जिन्हें लेकर वह लगातार सरकार को चुनौती दे रहे हैं। 13 नवंबर को इंस्टाग्राम पर आयोजित सवाल-जवाब सत्र के दौरान उन्होंने अपना मोबाइल दिखाते हुए यह बात कही। उनके इस बयान ने भारतीय राजनीति में निगरानी, व्यक्तिगत निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सत्ता की जवाबदेही जैसे गंभीर सवालों को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

राहुल गांधी का आरोप केवल किसी एक व्यक्ति के मोबाइल की निगरानी तक सीमित नहीं है। उन्होंने इसे अपनी उन जानकारियों से जोड़ने का प्रयास किया है, जिनके आधार पर वह विदेशी ताकतों के कथित प्रभाव, देशविरोधी गतिविधियों और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर प्रधानमंत्री से सीधी बहस की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि प्रधानमंत्री उनके साथ आमने सामने बैठकर चर्चा करें तो देश के सामने कई ऐसी बातें आ सकती हैं, जिनकी जानकारी उनके पास है। उन्होंने यह भी कहा कि बहस किसी भी मंच पर और किसी भी समय हो सकती है। यहां तक कि उन्होंने गौतम अडानी अथवा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को बहस के लिए निर्णायक की भूमिका में रखने पर भी आपत्ति नहीं जताई। हालांकि, फोन टैपिंग के आरोप के समर्थन में इस बातचीत के दौरान कोई सार्वजनिक तकनीकी प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। इसलिए आरोप और प्रमाण के बीच अंतर बनाए रखना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि राहुल गांधी लंबे समय से प्रधानमंत्री के साथ सार्वजनिक बहस की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि संसद में उन्हें कृषि कानूनों, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, कथित वोट चोरी, चीन से जुड़े सवालों, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक और जेफ्री एपस्टीन प्रकरण जैसे विषयों पर पर्याप्त रूप से अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलता। उन्होंने लोकसभा में अपना माइक बंद किए जाने की शिकायत भी की है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का कहना है कि संसद ही वह संवैधानिक मंच है, जहां सरकार और विपक्ष के बीच प्रत्येक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी से नेता प्रतिपक्ष के रूप में गंभीरता और जिम्मेदारी दिखाने की अपेक्षा जताई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी बहस की मांग को संसद में उठाने की बात कही और कांग्रेस की औपचारिक मांग पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की संभावना का उल्लेख किया है।

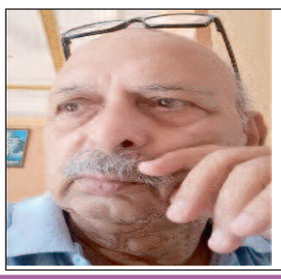
दरअसल, इस विवाद को केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मोबाइल फोन आज व्यक्ति के जीवन का सबसे निजी और महत्वपूर्ण डिजिटल माध्यम बन चुका है। इसमें व्यक्तिगत बातचीत, पारिवारिक जानकारियां, आर्थिक विवरण, राजनीतिक संपर्क, कार्ययोजनाएं और संवेदनशील दस्तावेज तक सुरक्षित रहते हैं। यदि किसी नागरिक को यह आशंका हो कि उसकी अनुमति के बिना उसकी बातचीत सुनी जा रही है या डिजिटल गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है, तो यह उसके मौलिक अधिकारों से जुड़ा विषय बन जाता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन कायम रखना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

भारत में डिजिटल निगरानी का प्रश्न नया नहीं है। पेगासस जासूसी विवाद के दौरान भी पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और अन्य लोगों के मोबाइल फोन की संभावित निगरानी को लेकर देशव्यापी बहस हुई थी। उस समय भी यह सवाल उठा था कि आधुनिक तकनीक के दौर में नागरिकों की निजता की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

जो विचार रिश्ते तोड़ दे, वह विचार नहीं–अहंकार होता है।

~~~~~~~~~



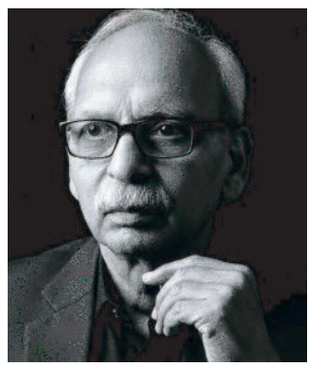
© विनय संकोची



योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं?

गाजियाबाद के 50 वर्ष - अतीत को नमन। वर्तमान का अभिनंदन और भविष्य का संकल्प।



लेखक विनय संकोची

गाजियाबाद : 14 नवंबर 1976 से 14 नवंबर 2026 तक! संघर्ष, विकास और परिवर्तन की स्वर्णिम यात्रा।

जिस शहर की पहचान कभी एक तहसील के रूप में थी, आज वही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की धड़कनों में शामिल है।

गाजियाबाद की कहानी केवल एक जिले के बनने की कहानी मात्र नहीं है। यह बदलते भारत की कहानी का आईना है। यह उस भारत की कहानी है, जिसने गांवों और कस्बों से निकलकर आधुनिक महानगरों की ओर कदम बढ़ाया। यह मेहनतकश किसान, श्रमिक, व्यापारी, उद्यमी, शिक्षक, चिकित्सक, कर्मचारी, अधिकारी और सामान्य नागरिक सभी की सामूहिक मेहनत की कहानी है।

14 नवंबर 1976 गाजियाबाद के इतिहास की वह अविस्मरणीय तिथि है, जब उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे मेरठ जनपद से अलग करके स्वतंत्र जिला घोषित किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. डी. तिवारी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर गाजियाबाद को जिले का दर्जा प्रदान किया था। उससे पहले गाजियाबाद मेरठ जिले की एक तहसील मात्र था। इस ऐतिहासिक घटना के 50 वर्ष आज 14 नवंबर 2026 को पूरे हो गए हैं। इसलिए वर्ष 2026 गाजियाबाद के लिए केवल कैलेंडर का एक वर्ष नहीं, बल्कि अपनी आधी सदी की यात्रा को देखने, परखने और भविष्य के लिए नई दिशा निर्धारित करने का अवसर है।

गाजीउद्दीन नगर से गाजियाबाद तक

गाजियाबाद की आधुनिक पहचान भले ही पिछले कुछ दशकों में बनी हो, लेकिन इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ें बहुत अधिक गहरी हैं। इसकी प्राचीनता का अनुमान लगाने के लिए श्रीदूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर का वह इतिहास ही काफी है, जिसके अनुसार न केवल रावण ने इस दिव्य शिवलिंग की पूजा अर्चना की थी, अपितु रावण के पिता ऋषि विश्रवा ने भी इस शिवलिंग को पूजा था। यही नहीं छत्रपति शिवाजी महाराज भी यहां अज्ञातवास के दौरान शिवालय में आए थे और इस स्थल का जीर्णोद्धार कराया था।

जिला प्रशासन के इतिहास-विवरण के अनुसार लगभग 1740 ईस्वी में वजीर गाजी-उद-दीन ने इस स्थान की स्थापना की और इसका नाम अपने नाम पर गाजीउद्दीननगर रखा। बाद में रेलवे के विकास के साथ इसका नाम संक्षिप्त होकर गाजियाबाद हो गया। लेकिन इस भूभाग का इतिहास 18वीं शताब्दी से कहीं पुराना है। हिंडन नदी के किनारे मोहन नगर के निकट केसरी के टीले में हुई पुरातात्विक खुदाई से लगभग 2500 ईसा पूर्व विकसित सभ्यता के प्रमाण मिलने का उल्लेख जिला प्रशासन करता है। गढ़मुक्तेश्वर, पूठ, लोनी और कोट जैसे स्थान भी इस क्षेत्र की प्राचीन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मृतियों से जुड़े हैं। अर्थात आज का आधुनिक गाजियाबाद जिस धरती पर खड़ा है, उसकी कहानी केवल औद्योगिक विकास की नहीं, बल्कि हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और संस्कृति की भी कहानी है।

1857 : स्वतंत्रता संग्राम का गौरवपूर्ण अध्याय

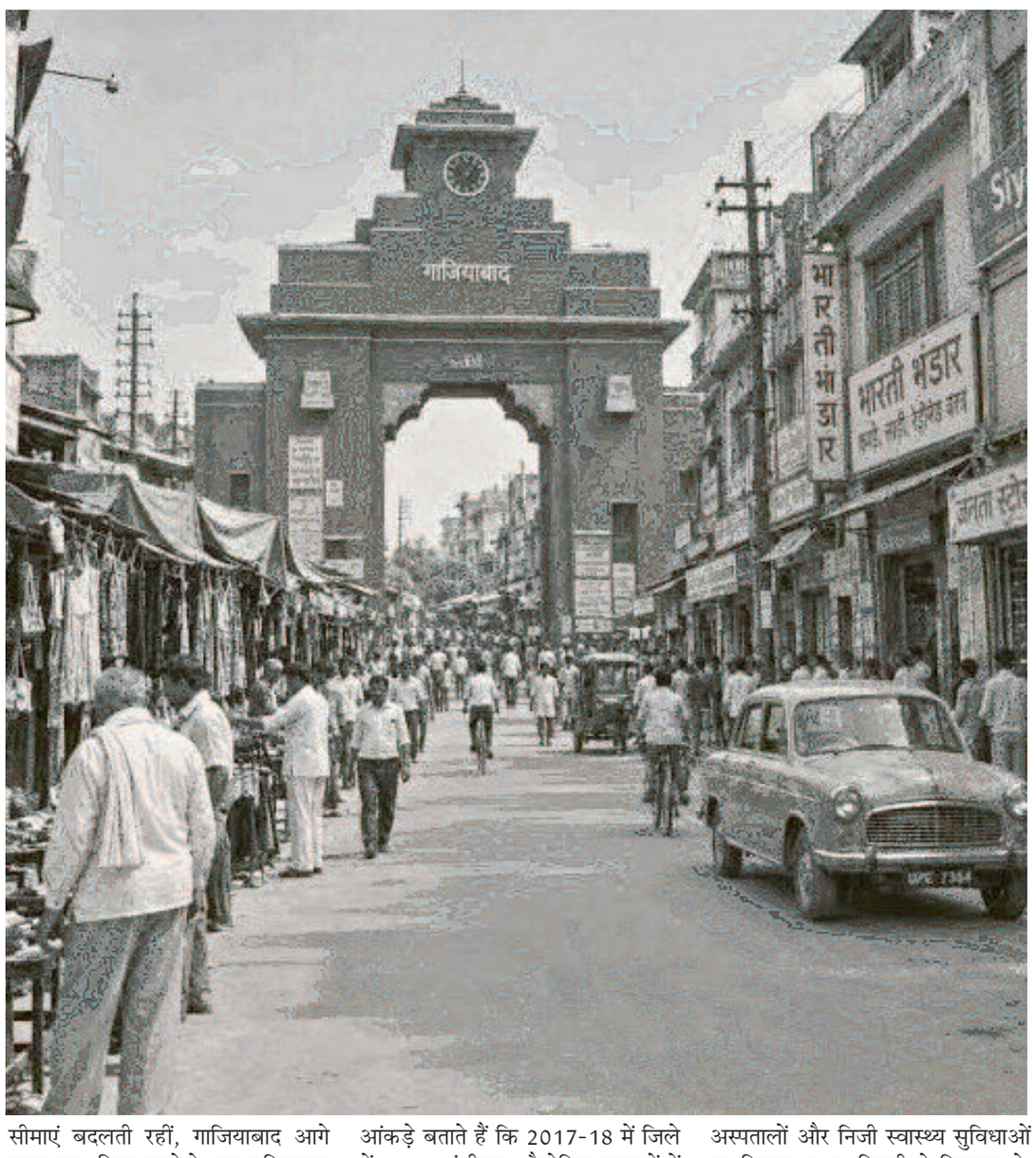
गाजियाबाद की धरती भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। 30 और 31 मई 1857 को हिंडन नदी के तट पर अंग्रेजी सेना और भारतीय विद्रोहियों के बीच संघर्ष हुआ। जिला प्रशासन के इतिहास-विवरण में इसे 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण घटनाओं में शामिल किया गया है। इस क्षेत्र के अनेक गांवों और कस्बों ने अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध विद्रोह में भाग लिया। दादरी के राजा उमराव सिंह, मुकीमपुर के राजा गुलाब सिंह तथा धौलाना के अनेक क्रांतिकारियों के बलिदान का उल्लेख मिलता है। इस तरह देखें तो गाजियाबाद की पहचान केवल कारखानों, बाजारों और आधुनिक इमारतों से नहीं बनती। इसकी मिट्टी में स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों की स्मृति भी समाई हुई है।

इतिहास बदल देने वाली तारीख

स्वतंत्र भारत में विकास के लिए प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन आवश्यक था। दिल्ली से निकटता, बढ़ती आबादी, औद्योगिक गतिविधियों और प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए गाजियाबाद को अलग जिला बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अंततः वह ऐतिहासिक दिन आया -14 नवंबर 1976, जिस दिन गाजियाबाद ने मेरठ की तहसील के रूप में अपनी पुरानी प्रशासनिक पहचान पीछे छोड़कर स्वतंत्र जनपद के रूप में नई यात्रा प्रारंभ की।

नवगठित जिले में मेरठ के आठ विकासखंड रजापुर, मुरादनगर, भोजपुर, हापुड़, धौलाना, लोनी, सिम्भावली और गढ़मुक्तेश्वर तथा तत्कालीन बुलंदशहर क्षेत्र के दादरी और बिसरख सहित कुल दस विकासखंड शामिल थे। गाजियाबाद, दादरी, हापुड़ और गढ़मुक्तेश्वर इसकी प्रारंभिक चार तहसीलें थीं।

आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो स्पष्ट होता है कि उस समय बनाया गया जिला वर्तमान गाजियाबाद से भौगोलिक रूप से कहीं अधिक विस्तृत था। प्रशासनिक



सीमाएं बदलती रहीं, गाजियाबाद आगे बढ़ता रहा। जिला बनने के बाद गाजियाबाद का प्रशासनिक नक्शा स्थिर नहीं रहा। समय और परिस्थितियों के अनुसार इसमें कई परिवर्तन हुए।

30 सितंबर 1989 को मोदीनगर को तहसील का दर्जा दिया गया। इससे प्रशासनिक व्यवस्था को स्थानीय स्तर पर और मजबूत करने का प्रयास हुआ।

1997 में गौतमबुद्ध नगर जिले का गठन हुआ। इसके लिए गाजियाबाद और बुलंदशहर के कुछ क्षेत्रों को अलग किया गया। दादरी तहसील भी बाद में गौतमबुद्ध नगर का हिस्सा बनी। इससे गाजियाबाद का भौगोलिक स्वरूप काफी बदल गया।

27 सितंबर 2011 को हापुड़ को अलग जनपद बनाया गया। इसके परिणामस्वरूप गाजियाबाद की चार पुरानी तहसीलों में से हापुड़ और गढ़मुक्तेश्वर अलग हो गए तथा गाजियाबाद और मोदीनगर मुख्य तहसीलें रह गईं।

29 जनवरी 2014 को लोनी को नई तहसील का दर्जा दिया गया। इस प्रकार गाजियाबाद में वर्तमान प्रशासनिक ढांचा गाजियाबाद, मोदीनगर और लोनी तीन तहसील तथा चार विकासखंड विकसित हुआ।

यह प्रशासनिक इतिहास अपने आप में बताता है कि गाजियाबाद का विकास कितना गतिशील रहा है।

दिल्ली की देहरी पर बसे शहर गाजियाबाद की सबसे बड़ी प्राकृतिक और आर्थिक शक्ति उसकी भौगोलिक स्थिति है। जिला मुख्यालय दिल्ली से लगभग 19 किलोमीटर और मेरठ से लगभग 46 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजधानी से सटी सीमा ने इसे व्यापार, उद्योग, रोजगार और आवासीय विकास के लिए असाधारण अवसर दिए। जिला प्रशासन इसे ॠ्रीी६८ ङ्घा व.ढ. अर्थात उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार भी कहता है। यही भौगोलिक निकटता धीरे-धीरे गाजियाबाद को दिल्ली की परिधि से निकालकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की महत्वपूर्ण इकाई में ले आई।

रेल ने खोले विकास के दरवाजे

गाजियाबाद के विकास में रेलवे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। दिल्ली से देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने वाले रेलमार्गों के बीच गाजियाबाद एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र बना। जिला प्रशासन के अनुसार यहां से दिल्ली कोलकाता, मुरादाबाद और सहारनपुर की ओर जाने वाली रेल लाइनों का संपर्क रहा है। रेलवे ने उद्योग को बाजार दिए, श्रमिकों को रोजगार के अवसर दिए और दिल्ली से आने-जाने वालों के लिए गाजियाबाद को सुविधाजनक बनाया। यही वह आधार था जिस पर आगे चलकर औद्योगिक और शहरी विस्तार की इमारत खड़ी हुई।

औद्योगिक गाजियाबाद का उदय

गाजियाबाद की उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औद्योगिक जिलों में गिनती होती है। स्वतंत्र जिला बनने के बाद औद्योगिक गतिविधियों को नया प्रशासनिक और आर्थिक वातावरण मिला। छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों ने रोजगार के अवसर पैदा किए और देश के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां आने लगे। जिला प्रशासन के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि 2017-18 में जिले में 1,987 पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों में लगभग 89,780 व्यक्ति कार्यरत थे, जबकि लघु औद्योगिक इकाइयों की संख्या 3,415 थी। खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र में भी 1,001 इकाइयां दर्ज थीं। इन आंकड़ों से भी गाजियाबाद की औद्योगिक क्षमता का अनुमान लगाया जा सकता है।

रोजगार की नई दुनिया

औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े।

जिला बनने के साथ ही जिला सेवायोजन कार्यालय की स्थापना की गई। औद्योगिक इकाइयों की बहुलता को देखते हुए रोजगार विकास इकाई भी स्थापित की गई। बेरोजगार युवाओं के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं विकसित की गईं। इसका महत्व केवल सरकारी आंकड़ों में नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन में देखा जा सकता है जिनके सदस्यों को गाजियाबाद में रोजगार मिला और जिनकी आर्थिक स्थिति बदली।

गांवों की धरती से महानगर तक

गाजियाबाद की विकास यात्रा में गांवों की भूमिका को भुला देना उचित नहीं होगा। एक समय इस क्षेत्र का विशाल भूभाग कृषि प्रधान था। खेत, बाग, तालाब और ग्रामीण बस्तियां इसकी पहचान थे। फिर धीरे-धीरे उद्योग आए, सड़कें बनीं, कॉलोनियां विकसित हुईं और शहरी विस्तार बढ़ता गया। पुराने गांवों के आसपास नई बस्तियां बसती गईं। बहुत से गांव महानगरीय विस्तार का हिस्सा ही बन गए। यह परिवर्तन अपने साथ अवसर भी लाया और चुनौतियां भी। कृषि भूमि के दबाव, पर्यावरण, यातायात, जल संकट, प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण जैसी समस्याएं उसी विकास प्रक्रिया की दूसरी तस्वीर हैं। इसलिए गाजियाबाद की अगली विकास यात्रा का लक्ष्य केवल और अधिक निर्माण नहीं, बल्कि बेहतर, संतुलित और टिकाऊ विकास होना चाहिए।

जनसंख्या : बदलते गाजियाबाद की कहानी

जनसंख्या में हुआ परिवर्तन भी गाजियाबाद के विकास की गति को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। जिला प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक 1981 में जिले की आबादी लगभग 18.43 लाख थी। दस वर्ष बाद 1991 में यह बढ़कर करीब 22.56 लाख हो गई। 2011 की जनगणना में वर्तमान जिले के संदर्भ में कुल आबादी लगभग 33.43 लाख दर्ज की गई। इनमें लगभग 27.51 लाख शहरी और लगभग 5.91 लाख ग्रामीण आबादी थी। इन आंकड़ों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि गाजियाबाद की पहचान तेजी से ग्रामीण क्षेत्र से शहरी और महानगरीय क्षेत्र में परिवर्तित हुई। वर्तमान में जनपद की आबादी अनुमानतः 45 से 50 लाख के आसपास होगी।

विकास का मानवीय पक्ष

किसी भी शहर की वास्तविक प्रगति केवल ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों से कदापि नहीं मापी जा सकती। शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवीय विकास उसके वास्तविक पैमाने हैं।

गाजियाबाद में समय के साथ विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों, अस्पतालों और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ। दिल्ली से निकटता के कारण यहां देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले विद्यार्थियों और पेशेवरों के लिए भी अवसर बढ़े। शिक्षा ने एक नई पीढ़ी तैयार की जिसने गाजियाबाद को केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि अवसरों के शहर के रूप में देखा।

गाजियाबाद और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल होने के बाद गाजियाबाद के विकास की गति और तेज हुई। दिल्ली के निकट होने के कारण यहां आवासीय मांग लगातार बढ़ी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास के साथ पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था परस्पर जुड़ती गई। आज गाजियाबाद में रहने वाला व्यक्ति दिल्ली में नौकरी करता है, नोएडा में व्यवसाय करता है और मेरठ की ओर भी आसानी से जा सकता है।

इस तरह गाजियाबाद केवल एक स्वतंत्र शहर नहीं रहा; वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की परस्पर जुड़ी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

गाजियाबाद की महानगरीय पहचान को मजबूत करने में आधुनिक परिवहन व्यवस्था की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। दिल्ली से सड़क संपर्क, मेट्रो रेल और बाद के वर्षों में क्षेत्रीय तीव्र परिवहन व्यवस्था ने आवागमन के नए विकल्प उपलब्ध कराए। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ क्षेत्र में फास्टर परियोजना जैसे बड़े परिवहन प्रयास गाजियाबाद को भविष्य के क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क से जोड़ते हैं। यह परिवर्तन केवल यात्रा को आसान बनाने तक सीमित नहीं है। बेहतर परिवहन रोजगार, शिक्षा, व्यापार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को भी व्यापक बनाता है।

गाजियाबाद की सामाजिक शक्ति

गाजियाबाद की एक विशिष्ट विशेषता उसकी सामाजिक विविधता है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ देश के अनेक राज्यों से लोग यहां आकर बसे। किसी ने रोजगार के लिए कदम रखा, किसी ने व्यापार के लिए, किसी ने शिक्षा के लिए और किसी ने बेहतर जीवन की तलाश में। इस तरह गाजियाबाद विभिन्न भाषाओं, परंपराओं, खान-पान और संस्कृतियों का साझा नगर बन गया। यह विविधता गाजियाबाद की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है।

पत्रकारिता, साहित्य और सार्वजनिक जीवन

किसी भी विकसित शहर की आत्मा उसके बौद्धिक और सार्वजनिक जीवन में दिखाई देती है। गाजियाबाद में पत्रकारिता ने स्थानीय समस्याओं को आवाज दी। साहित्यकारों और लेखकों ने बदलते शहर को शब्द दिए। सामाजिक संगठनों ने नागरिक समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जनकल्याण के विषय उठाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सामाजिक कार्यकताओं की भूमिका ने भी जिले के विकास को दिशा देने में योगदान दिया। इन सभी प्रयासों को मिलाकर ही किसी शहर का नागरिक चरित्र निर्मित होता है।

स्वर्ण जयंती : केवल उत्सव नहीं, आत्ममंथन

अब जब गाजियाबाद 50 वर्ष पूरे कर रहा है, तो स्वाभाविक प्रश्न उठता है– हमने क्या पाया और आगे क्या करना है? पचास वर्षों में बहुत कुछ बदला है। लेकिन हर उपलब्धि के साथ नई जिम्मेदारी भी आती है। आज गाजियाबाद के सामने प्रमुख प्रश्न हैं क्या विकास पर्यावरण के साथ संतुलित है? क्या यातायात की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है? क्या प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है? क्या पुराने गांवों और नई कॉलोनियों के बीच संतुलन बनाया जा सकता है? क्या युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं? क्या सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है? क्या शिक्षा की गुणवत्ता को रोजगार की जरूरतों से जोड़ा जा सकता है? क्या वरिष्ठ नागरिकों के लिए शहर अधिक संवेदनशील बनाया जा सकता है? क्या आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त हरित क्षेत्र और स्वच्छ जल बचाया जा सकेगा? स्वर्ण जयंती का अवसर इन प्रश्नों से मुंह मोड़ने का नहीं, बल्कि उनका सामना करने का अवसर है।

1976 से 2026 : पांच दशक, पांच बड़े पड़ाव

यदि गाजियाबाद की पचास वर्ष की यात्रा को पांच प्रमुख चरणों में देखा जाए तो तस्वीर कुछ इस प्रकार बनती है

पहला चरण : 1976-1985

जिले की पहचान और प्रशासनिक आधार का निर्माण

नया जिला, नई प्रशासनिक व्यवस्था और विकास की प्राथमिक संरचना।

दूसरा चरण : 1985-1995

औद्योगिक विस्तार और शहरी विकास : मोदीनगर सहित औद्योगिक क्षेत्रों का विस्तार, रोजगार और आबादी में वृद्धि।

तीसरा चरण : 1995-2005

NCR और नए जिलों का दौर : गौतमबुद्ध नगर के गठन तथा क्षेत्रीय पुनर्गठन के साथ गाजियाबाद का प्रशासनिक स्वरूप बदला। इसी समय दिल्ली-NCR से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों में तेज वृद्धि हुई।

चौथा चरण : 2005-2015

महानगरीय विस्तार : हापुड़ के अलग जिले बनने और लोनी को तहसील का दर्जा मिलने के साथ वर्तमान प्रशासनिक संरचना का आधार तैयार हुआ।

पांचवां चरण : 2015-2026

आधुनिक परिवहन और महानगरीय एकीकरण

मेट्रो, क्षेत्रीय परिवहन, नए आवासीय क्षेत्र, उद्योग, शिक्षा और सेवा क्षेत्र के विस्तार के साथ गाजियाबाद की पहचान और व्यापक हुई।

आधी सदी का संकल्प

14 नवंबर 1976 को गाजियाबाद ने स्वतंत्र जनपद के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी। 14 नवंबर 2026 को अपनी यात्रा के 50 वर्ष पूरे किये। इन पचास वर्षों में गाजियाबाद ने तहसील से जनपद और जनपद से महानगरीय पहचान तक का सफर तय किया है। यह सफर कभी सरल नहीं था। प्रशासनिक सीमाएं बदलीं। नए जिले बने। गांव शहरों में बदले। उद्योग आए। लाखों लोग यहां आकर बसे। परिवहन बदला। जीवनशैली बदली। चुनौतियां बदलीं। लेकिन एक चीज लगातार बनी रही गाजियाबाद की आगे बढ़ने की क्षमता। आज आवश्यकता है कि हम इस स्वर्णिम यात्रा को केवल समारोह तक सीमित न रखें। स्वर्ण जयंती का वास्तविक अर्थ तब होगा जब हम अपने अतीत को सम्मान दें, वर्तमान की कमियों को स्वीकार करें और भविष्य के लिए ठोस संकल्प लें। गाजियाबाद की आधी सदी की यात्रा हमें यही संदेश देती है-'इतिहास हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है, वर्तमान हमें अपनी जिम्मेदारी का बोध कराता है और भविष्य हमें नई ऊंचाइयों का संकल्प देता है।'

आइए, गाजियाबाद की स्वर्ण जयंती पर हम सब मिलकर संकल्प लें कि आने वाले पचास वर्षों का गाजियाबाद केवल बड़ा नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित, शिक्षित, समृद्ध, संवेदनशील और संस्कारित गाजियाबाद होगा।

गाजियाबाद के 50 वर्ष - अतीत को नमन। **वर्तमान का अभिनंदन और भविष्य का संकल्प।**
~~~~~~~~~

रबी में लगायें गेहूं

कमांड क्षेत्रों में दो फसल या आंशिक क्षेत्रों में तीन फसली कार्यक्रम के चलते आमतौर पर गेहूं की बुआई पिछड़ जाती है। पिछले 3 वर्षों से मानसून का मिजाज कुछ इस तरह बदला की खरीफ की प्रमुख फसल सोयाबीन की बुआई जुलाई की सीमा पारकर गई और उसकी कटाई में विलम्ब होने के कारण भूमि में नमी भी अपर्याप्त रह गई फलस्वरूप गेहूं की विलम्ब से बुआई करने की मजबूरी चुनौती बनकर उभरी, कपास, मिर्च, गन्ना काटने के बाद भी यही समस्या सामने रहती है। इस तरह गेहूं की पिछेती बुआई का रकबा सितंबर तक बढ़ता ही जा रहा है। उत्पादन में आंशिक फर्क ही आ पाये इस लिये पिछली गेहूं की बुआई तकनीकी का प्रार्दुभाव हुआ जिसे कृषकों को अंगीकरण करना आज की आवश्यकता बन गई है।



बीज दर- 125 किलो/हे.

गेहूं की फसल की बुवाई के समय 20-25 डिग्री सेल्शियस तापमान होना उपयुक्त रहता है। जिससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा फसल का जमाव अधिक व जल्दी होता है। किंतु दिसम्बर-जनवरी माह में पिछेती गेहूं की बुवाई के समय तापमान घटकर 10 डिग्री सैल्शियस के आसपास आ जाता है जिससे बीजों का अंकुरण धीरे होता है तथा पौधों का जमाव कम व देर से होता है। अतः बीजों का जल्दी अंकुरण प्राप्त करने, अंकुरण क्षमता बढ़ाने व कम तापमान से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त बीजोपचार करना चाहिए।

बीजोपचार

परीक्षणों से पता चलता है कि 4-5 प्रतिशत पोटेशियम डाई सल्फेट या 0.1 प्रतिशत साइकोसिल या 2.5-3.0 प्रतिशत सोडियम क्लोराईड (साधारण नमक) के घोल में 18-24 घंटे डुबोकर बीज उपचार करने से न केवल बीजों के अंकुरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे पौधों का जमाव भी अधिक व जल्दी होता है। इसके अतिरिक्त पौधों में अधिक ठंड से होने वाले प्रतिकूल प्रभाव के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। उपरोक्त सभी कारणों से सामान्य बीज की अपेक्षा 2-3 क्विं. प्रति हेक्टेयर की उपज में वृद्धि होती है।

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु दो ग्राम पारद फफूंदनाशी या थायरम या दो से ढाई ग्राम मेन्कोजेब प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित कर बुवाई के काम में लें। अनावृत कण्डुआ एवं पात कण्डुआ का प्रकोप हो वहां नियंत्रण हेतु वीटावेक्स या कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज को उपचारित करें।

बीज एवं बुवाई

अधिक बीज दर रखने के कारण कतारों की दूरी कम करके 18-20 सेंटीमीटर रखना लाभदायक रहता है. पौधों के बीच की दूरी 6 से 8 सेन्टीमीटर तक रखी जाती है। परीक्षणों से ये ज्ञात हुआ है कि गेहूं की प्रचलित विधियों की अपेक्षा क्रास (आर-पार) बुवाई से उत्पादन में 4.5 क्विं./हेक्टे. वृद्धि हो जाती है। इस विधि को अपनाने पर पौधों के बीच की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। गेहूं की अधिक पैदावार लेने के लिये बीज की मात्रा व कतारों की दूरी इस प्रकार निर्धारित करनी चाहिए कि प्रति वर्ग मीटर 400-500 बाली युक्त पौधे प्राप्त किये जा सकें। बुवाई 4-5 सेन्टीमीटर की गहराई पर करना चाहिए।

पिछेती गेहूं में 130-200 किलो यूरिया, 250-280 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 33-40 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हैक्टेयर की आवश्यकता होती है। मिट्टी की उर्वराशक्ति तथा बोई जाने वाली किस्म की उत्पादकता तथा पिछेती गेहूं से पूर्व में ली गई फसल के अनुसार नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की मात्रा कुछ घटाई-बढ़ाई जा सकती है। तापक्रम कम होने के कारण मृदा में उपस्थित फास्फोरस की उपलब्धता कम हो जाने के कारण गेहूं की प्रारंभिक बढ़वार कम होती है इसलिये पिछेती गेहूं की अच्छी उपज लेने के लिये फास्फोरस का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है. जस्ते की कमी वाले क्षेत्रों में, विशेषकर धान-गेहूं फसल पद्धति अपनाई जाती हो, बुवाई से पूर्व प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट या 10 किलो चिलेटेड जिंक नाइट्रोजन के साथ मिला कर दें। जिन खेतों में मैंगनीज की कमी पायी जाये वहां बुवाई के समय 20 किलो मैग्नीज सल्फेट उर्वरकों के साथ ऊर कर दें. फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की भारी मिट्टी में आधी तथा हल्की रेतीली मिट्टी में एक तिहाई मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें। भारी मिट्टी के लिये शेष आधी मात्रा पहली या दूसरी सिंचाई के साथ दें। खड़ी फसल में नाइट्रोजन सामान्यतः पहली सिंचाई की अपेक्षा दूसरी सिंचाई के बाद देना लाभप्रद है।

हल्की मिट्टी में शेष बची दो तिहाई मात्रा में से एक तिहाई पहली सिंचाई तथा एक तिहाई दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया उर्वरक के रूप में दें। पहली सिंचाई बुवाई के 25-27 दिन बाद दें। किंतु मध्य फरवरी के बाद तापमान बढ़ जाता है व बालियां निकलने के बाद से फसल पकने तक फसल को गर्म व कुछ तेज हवाओं का सामना करना पड़ता है जिससे फसल की जल मांग भी बढ़ जाती है साथ ही दूधिया अवस्था, फूल आने की अवस्था तथा दाना सख्त होने की अवस्था सिंचाई हेतु क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भूमि में पर्याप्त नमी का होना अति आवश्यक है। अतः इस समय सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए अन्यथा दाना पतला पड़ जाता है फलस्वरूप उपज कम होने का भय रहता है। इन चारों अवस्थाओं के अतिरिक्त गेहूं की कल्लों के अच्छी तरह निकल जाने की अवस्था तथा तने में गांठें बनने की अवस्था भी सिंचाई की दृष्टि से क्रान्तिक अवस्थायें होती हैं। अतः इस समय भी खेत में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। सिंचाई हल्की करना चाहिए। विशेषकर फूल आने के बाद जिससे मार्च-अप्रैल में चलने वाली गर्म व तेज हवाओं से फसल आड़ी न गिर पाये। कुल मिलाकर पिछेती गेहूं में समय से बुवाई की अपेक्षा 1-2 अधिक सिंचाईयों की आवश्यकता होती है।



बुवाई का उपयुक्त समयः-25 दिसम्बर तक

किस्मों का चुनावः पिछेती गेहूं के लिये गेहूं की किस्मों का चयन करते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए। पिछेती बुवाई के लिये उन किस्मों को बोना चाहिये जो कम समय में पकने वाली हों क्योंकि देरी से बुवाई करने पर पकते समय तापक्रम अधिक होने से पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः कम समय में पकने वाली किस्मों को बोने से स्थानीय तापक्रम बढ़ने से पहले पकने लग जायेगी तथा इसकी पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। पिछेती गेहूं की बुवाई के लिये कई किस्मों को बोने की सिफारिश की गई है जिनमें राज 3777, राज 3765, राज 3077, एच.डी. 2285. एन.डी.2236, राज 2184, लोक-1, जी.डब्ल्यू.173, जी. डब्ल्यू. 273, एच.आई. 8498, डी. एल. 803, डीएल 788-2, आभा, जे.डब्ल्यू 4010, एम.पी. 1202 इत्यादि.



चना फसल से बढ़ेगा उत्पादन

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।



खेत की तैयारी

खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग

दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार

देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं

बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज

परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।



किस्म

जे.जी. 315
जवाहर 218 जे.जी. 130 जे.जी. 412
जे.जी.16 जे.जी.11 जे.जी. 74 1 आईसीसीव्ही.10(विजय)
भारती जे.जी.1
जे.जी.के.1

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज़े यादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2-30 बजे से सुबह 6-30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश तक क्रेस को सौंपी कमान

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है।

रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते

नई दिल्ली ।

दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा।

केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ- एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब- सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल ने डीए में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।

न्यूजीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

हेनरी के सामने टेके घूटने

पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



कोहली-रोहित जीरो पर आउट

कप्तान अय्यर का भी नहीं खुला खाता, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टीम के तीन बल्लेबाज पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैट हेनरी ने भारतीय पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को जीरो पर आउट किया। हेनरी की गेंद को रोहित फिन एलन के हाथों में मार बैठे, तो विराट कोहली क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, ओवर की



आखिरी गेंद पर कीवी तेज गेंदबाज ने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने अपने पहले तीन विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना कोई रन लगाए गंवाए। भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए ही अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। इसके साथ ही वनडे क्रिकेट में यह महज पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने अपने तीन विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाए हैं। साल 2010 के बाद यह पहला मौका है, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ वनडे क्रिकेट में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कोहली-रोहित एक ही मैच में जीरो पर आउट हुए थे। ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। वनडे क्रिकेट में यह महज दूसरा मौका है, जब भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट 10 रनों के भीतर गंवाए हैं। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर गंवाए थे।

7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत



दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए। न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले।

टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।



विल यंग की शतकीय पारी

माउंट माउंगानुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निक केली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 4 रन बनाकर आउट हुए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

किदांबी श्रीकांत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, लक्ष्य सेन ने भी दर्ज की एकतरफा जीत

कुमामोटो । पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में चल रहे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट, 'जापान मास्टर्स' के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एक रोमांचक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 8 और स्थानीय खिलाड़ी कोडाई नारोका को हराया। श्रीकांत के साथ-साथ हाल ही में 'हाइलो ओपन' जीतने वाले लक्ष्य सेन भी अंतिम आठ खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक आसान जीत दर्ज की। नारोका के खिलाफ 0-4 के खराब हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के बावजूद, श्रीकांत ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। इस गेम में वह 12-14 से पीछे चल रहे थे, लेकिन लगातार सात अंक जीतकर वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक खींच लिया और आखिरी गेम में शुरुआत में बढ़त भी बना ली। हालांकि, श्रीकांत ने अपना धैर्य नहीं खोया, स्कोर 7-7 से बराबर किया और फिर मैच पर नियंत्रण बनाते हुए 60 मिनट में 21-18 से जीत हासिल की।

इस सीजन में श्रीकांत की यह कोई पहली बड़ी जीत नहीं है। जून में यूएस ओपन के दौरान उन्होंने पेरिस 2024 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, मलेशिया के ली जी जिया को हराया था और टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे। इसके अलावा, सितंबर में उन्होंने कनाडा के तत्कालीन वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को हराकर 'चाइना मास्टर्स सुपर 750' के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।



क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना एक और जापानी खिलाड़ी और विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से होगा। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन के डोंग तियान याओ को 35 मिनट में 21-8, 21-14 से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा।

अंडर-19 एशिया कप: नौवें खिताब के करीब टीम इंडिया; लक्ष्य की कप्तानी पारी

फाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

अल अमेरात । भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। भारत का 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में सामना गत चैंपियन पाकिस्तान से होगा।



अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 227 रन बनाए।

जवाब में भारत ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान ने एक अन्य सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराया।

भारत ने जीते हैं सर्वाधिक खिताब

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा है। भारत ने अंडर-19 एशिया कप रिकॉर्ड आठ बार जीता है, जिसमें एक संयुक्त खिताब भी शामिल है। भारतीय टीम ने 1989, 2003, 2012, 2013-14, 2016, 2018, 2019 और 2021 में खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा टीम दो बार 2024 और 2025 में उपविजेता रही है। भारत को पिछली बार फाइनल में पाकिस्तान से ही हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम इंडिया के पास पिछली हार का बदला चुकता करने का मौका होगा।



पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली । आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। वहीं, नीदरलैंड्स ने थाईलैंड के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान के करवां क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। टीम की ओर से निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि शोर्ना अख्तर 20 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं।

'यह पूरी तरह से बकवास है', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर खुलकर बोले पैट कमिंस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 'सैंडपेपर विवाद' को लेकर किए गए उस्मान ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलत और बकवास बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में हुई बॉल-टैम्परिंग की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा की बुक में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने सिडनी के 'क्रिकेट सेंट्रल' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने 68 मिनट तक चली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ख्वाजा के दावों का कड़ा खंडन किया कि पूरी टीम को पता था कि गेंद के साथ छेड़छाड़ करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिंस ने कहा, 'जब वह कहते हैं कि हम सब जानते थे और अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि मैदान पर सैंडपेपर ले जाया जा रहा है, तो वह 100



प्रतिशत गलत हैं। मैंने पिछले 8 वर्षों से लगातार यही कहा है कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मगर मुझे लगता है कि उस्मान ने जो बातें कही हैं, वे उससे कहीं ज्यादा गंभीर हैं।'

कमिंस ने आगे कहा, 'उनका कहना है कि मैं और बाकी लोग सैंडपेपर से बॉल-टैम्परिंग करने की साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। यह पूरी तरह से बकवास है। मुझे इस हफ्ते तब बहुत बड़ा झटका लगा, जब पता चला कि उस्मान ने खुद माना है कि उन्होंने बैनक्राफ्ट से कहा था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिनके बारे में मैं सोचता हूं, या जो उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले 8 वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को फिर से बनाने में मदद की है। उस्मान मेरे दोस्त हैं, लेकिन दोस्त एक-दूसरे की जिंदगी और साख के साथ इतनी लापरवाही नहीं बरतते।'

'सैंडपेपर विवाद' पर कमिंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लैंगर ने किया समर्थन, बोले- फिर से संकट में है ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट



पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हेड कोच जस्टिन लैंगर ने 'सैंडपेपर-गेट' मामले पर मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने के पैट कमिंस के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था, खासकर ऐसे समय में जब 2018 के इस स्कैंडल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से तूफान खड़ा कर दिया है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' के आने के बाद केप टाउन बॉल-टैम्परिंग मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से बकवास करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में पूरे ऑस्ट्रेलियाई खेमे को पता था।

लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। 'सेन रेडियो' पर लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन
का की कू घ ड
छ के को हा

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

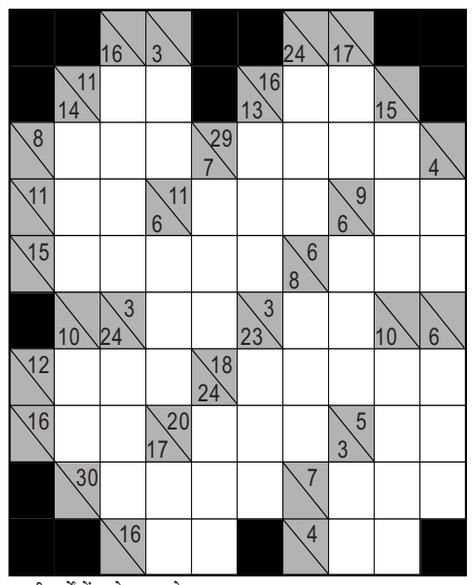
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन
दी दू थ ज्ञ ञ दे
दो चा ची

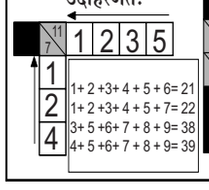
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 4067



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4066 का हल

3	24		30	11		10	3	
9 1	8		8 6	2		4 3	1	
11 2	9	16 23	7	9	6 24	4	2	
	24 7	8	9	8 7	1	10		
	14 10 6	8	13 23	8	2	3	4	
11 3 2	9	17 10	8	9	3	2	1	
4 1	3	9	3	6		4 24 1	3	
6 2	4	10 3	1	9	11 16 7	4		
	7 1	2	4	17	9	8		
		3 1	2	16	7	9		

हंसी के फव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

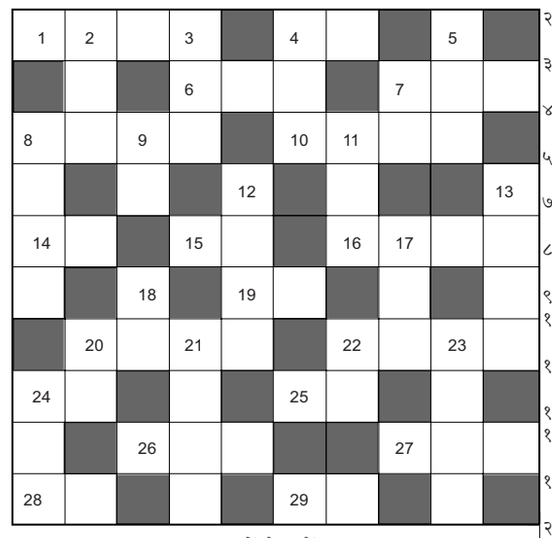
□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4067



बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4066

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	ग
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
च	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			रा	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

सूडोकु -4067

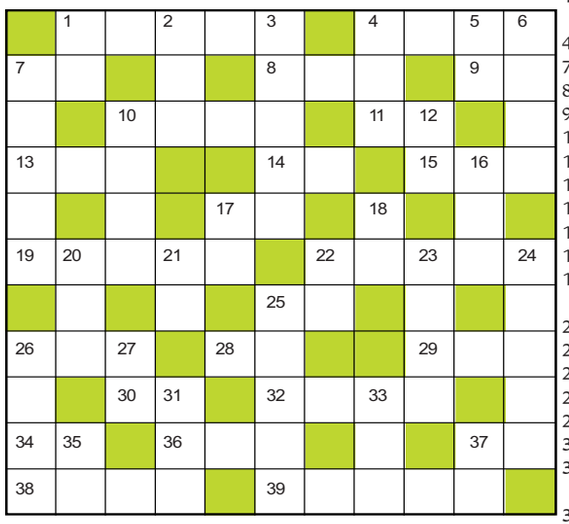
7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4066 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 4067



बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पर्तंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -4066 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	ब्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
शि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	घा	ल	न

रेसिपी



चौलाई कोकोनट खीर

सामग्री

- लो फैट दूध 220 मिली.
- भिगोई हुई चौलाई 100 ग्राम
- ट्रडिशनल दूध की रबड़ी 30 मिली.
- सूखा ताजा नारियल 15 ग्राम
- नारियल पाउडर 5 ग्राम
- ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स 15 ग्राम
- भुने हुए अखरोट 15 ग्राम
- ताजी पुदीना पत्तियां

विधि

दूध को तब तक उबालें, जब तक कि यह अच्छी तरह उबल कर गाढ़ा और लगभग आधा न रह जाए। अब इसमें भिगोई हुई चौलाई मिलाएं। (चौलाई का सेवन सर्दियों में बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है और वजन घटाने में भी यह मददगार है। इसमें कई एंटी-इन्फ्लेमेटरी तत्व मौजूद होते हैं।) चौलाई को दूध में तब तक पकाएं, जब तक कि यह अच्छी तरह गाढ़ा न दिखने लगे। अब इसमें नारियल और ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स मिला कर चलाएं। एक बार जब खीर पक जाए तो इसमें सूखा नारियल पाउडर और दूध की रबड़ी मिलाएं। ऊपर से पुदीने की पत्तियों और कैरेमलाइज्ड अखरोट से सजाएं। ग्लास के जार में सर्व करें क्योंकि इसमें देर तक स्वाद बरकरार रहता है और डेजर्ट का शेप भी नहीं बिगड़ता। गर्म या ठंडा, अपनी पसंद के अनुसार सर्व करें।



जलेबी डोनट्स

सामग्री

- खोया 500 ग्राम
- मैदा 100 ग्राम
- कॉर्नस्टार्च 50 ग्राम
- चाशनी
- दूध 50 मिली.
- व्हाइट चॉकलेट 10 ग्राम
- ताजा नारियल 10 ग्राम
- तलने के लिए तेल
- हरी इलायची पाउडर एक चौथाई चम्मच।

विधि

खोये को अच्छी तरह मिलाने के लिए ब्लेंडर का इस्तेमाल करें। इसमें मैदा, कॉर्नस्टार्च और दूध मिलाकर गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। पूरी सामग्री को पाइपिंग बैग में भरें और डोनट शेप बनाते हुए तलें। अच्छी तरह सुनहरा होने के बाद चाशनी में भिगो दें। अब इसे छान कर जाली में रखें। कोकोनट और व्हाइट चॉकलेट को मिक्स कर लें। डोनट्स को बीच से काटें और ऊपर से कोकोनट और चॉकलेट को फैला दें। इसे गर्म-गर्म सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%		
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%		
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%		
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal			

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



'पंजाबी होने के नाते कभी छठ नहीं मनाया', पहली बार त्योहार का हिस्सा बनने पर आयुष्मान खुराना ने बताए अनुभव

अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए इस बार छठ पूजा का अनुभव बेहद खास रहा। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले आयुष्मान ने इससे पहले कभी छठ का त्योहार नहीं मनाया था। लेकिन सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के खास गाने 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार इस पर्व की परंपराओं और आस्था को करीब से समझने का मौका मिला। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह सिर्फ एक गाने की शूटिंग नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा का हिस्सा बनने का अनुभव था, जिससे वह पहले परिचित नहीं थे। आयुष्मान ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, 'पंजाबी होने के नाते मैंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। इसलिए पहली बार इस त्योहार को करीब से देखना और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खास था। छठ से जुड़ी भावनाएं और इसका महत्व देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ। यह त्योहार जिस तरह लोगों को एक साथ जोड़ता है, वह बहुत खूबसूरत है।' उन्होंने कहा, 'छठ पूजा की हर रस्म का अपना अलग महत्व है और हर परंपरा के पीछे गहरी आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है। मेरे लिए इस गाने की शूटिंग किसी सामान्य फिल्मी काम जैसी नहीं थी। इस दौरान मुझे एक नई परंपरा को समझने और उसका हिस्सा बनने का मौका मिला।' आयुष्मान ने शूटिंग से जुड़ा एक भावुक पल साझा किया। उन्होंने बताया, 'छठ पूजा के क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी स्टारकास्ट को एक साथ बुलाया था। इस दौरान उन्होंने सभी कलाकारों को छठ पूजा से जुड़ा एक गाना सुनाया। यह पल इतना भावुक था कि वहां मौजूद सभी लोगों की आंखों में आंसू आ गए। वह पल पूरी टीम के साथ रह गया और इसके बाद छठ पूजा के सीक्वेंस को फिल्माने का अनुभव और भी खास हो गया।' उन्होंने बताया, 'सूरज बड़जात्या ने इस सीक्वेंस को जिस संवेदनशीलता के साथ तैयार किया और छठ की परंपराओं को जिस अहमियत के साथ दिखाने की कोशिश की, उससे पूरी स्टारकास्ट प्रभावित हुई। फिल्म में इस पर्व की रस्मों और उससे जुड़ी भावनाओं को वास्तविक अंदाज में दिखाने पर खास ध्यान दिया गया है।' 'बुलाए छठी मां' गाने में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को दिखाया गया है। छठ भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे खास तौर पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में रहने वाले लोग भी इस पर्व को पूरे उत्साह से मनाते हैं।

विवेक अग्निहोत्री फूटा गुस्सा

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने दिवाली पर पटाखों से होने वाले संभावित खतरों पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि भारत की संस्कृति मासूम जिंदगियों, घरों और



संपत्ति को खतरे में डालने की इजाजत नहीं देती। निर्देशक ने अपने एक्स अकाउंट पर मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के एक ट्वीट का जवाब दिया, जिसमें मेयर ने जिम्मेदारी के साथ दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने की अपील की थी। विवेक अग्निहोत्री ने अपने घर में हुए एक हादसे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके कुत्तों ने एक भटकते हुए रॉकेट के बारे में समय रहते सचेत कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने लिखा, कल रात, एक भटकता रॉकेट हमारी बालकनी में रखे सोफे पर आ गिरा, जिससे उसमें आग लग गई। शुक्र है कि हमारे कुत्तों ने हमें आगाह कर दिया, जिससे आग-रोधी कपड़े की वजह से बड़ा हादसा टल गया।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा-

'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'

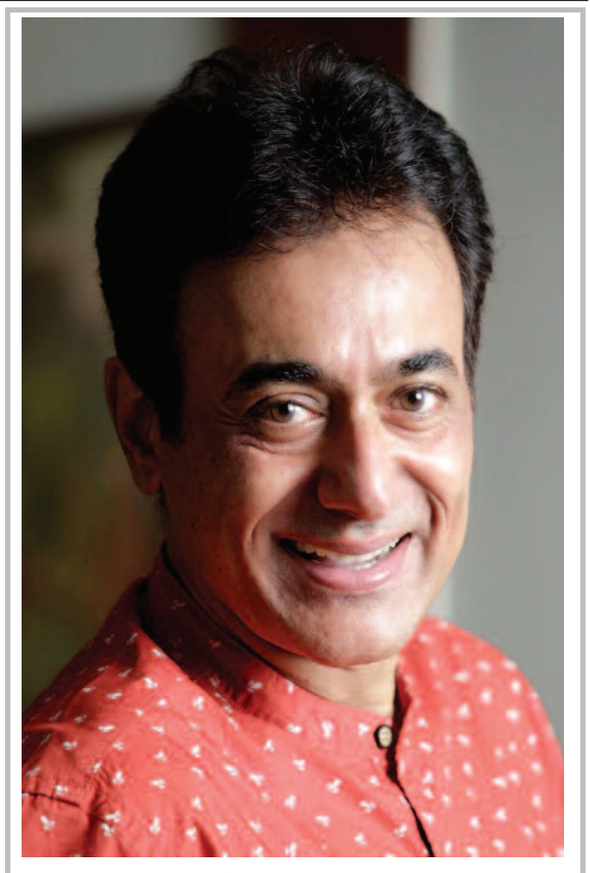


अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, 卐मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।卐 उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 卐सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।卐 बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, 卐मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।卐 श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका दुग्गल - फैंस कंफ्यूज थे, फिर भी देखने पहुंचे थिएटर

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों फिल्म 'मिर्जापुर- द मूवी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि शुरुआत में लोग परेशान थे कि मेकर्स अगले सीजन के बजाय फिल्म क्यों लेकर आ रहे हैं। रसिका दुग्गल ने बताया कि फैंस अक्सर उनसे अगले सीजन के बारे में पूछते थे, तो उन्हें समझाना पड़ता था कि इस बार टीम ने सीजन नहीं, बल्कि फिल्म बनाई है और उन्हें थिएटर में जाकर देखने के लिए कहना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने सीरीज को देखा है, उनके लिए थिएटर में अभी भी बहुत कुछ बाकी है।' रसिका दुग्गल ने फिल्म के प्राइम वीडियो पर आने वाले एक्सटेंडेड कट के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ये उन फैंस के लिए कुछ एक्स्ट्रा है, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को हमेशा सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि हमारे फैंस ने फिल्म को भी बहुत पसंद किया और थिएटर में जाकर इसे देखा। मुझे पूरा भरोसा है कि वो इसे दोबारा भी देखेंगे, भले ही एक्सटेंडेड कट न होता, लेकिन अब हमारे पास उन्हें देने के लिए कुछ और भी है।' रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर- द मूवी' है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल ने बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है, बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए तरीके से पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिले हैं, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिली। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी' में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में हैं।





रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफ वापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया।
अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शानदार दृश्य प्रभाव और आधुनिक तकनीक किसी धार्मिक महाकाव्य की दार्शनिक गहराई और आध्यात्मिक सार का विकल्प नहीं हो सकते। नीतीश भारद्वाज ने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने को लेकर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित फिल्म बनाते समय जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। यदि किसी फिल्म में भारतीय इतिहास, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिनिधित्व के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा।
गौरतलब है कि नीतीश भारद्वाज ने इससे पहले फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उस समय उन्होंने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की संभावना भी जताई थी। हालांकि, पूरी फिल्म देखने के बाद उनका नजरिया बदल गया और उन्होंने अपनी पुरानी प्रशंसा वापस ले ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर अब अभिनेता की प्रतिक्रिया के बाद चर्चा तेज हो गई है।

रामायण का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, पहले हफ्ते में 430 करोड़ की ओर फिल्म

दिवाली की छुट्टियों का फायदा रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लगातार मिल रहा है। सोमवार को अब तक का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने मंगलवार को भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी। छठे दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए मंगलवार के कलेक्शन का नया रिकॉर्ड बना दिया। खास बात यह है कि दिवाली के बाद भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन ने मंगलवार को 75.03 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह किसी मंगलवार को फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन बताया जा रहा है। सोमवार को दिवाली के मौके पर फिल्म ने 95 करोड़ रुपये की कमाई की थी। लगातार दो दिनों के इन आंकड़ों ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। 'रामायण' ने रिलीज के पहले दिन गुरुवार को 47 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। शुक्रवार को इसका कारोबार 38.25 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को दिवाली के दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 95 करोड़ रुपये का कारोबार किया। मंगलवार को भी 75.03 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इस तरह फिल्म का हिंदी वर्जन छह दिनों में कुल 345.28 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुका है। यह आंकड़ा बताता है कि फिल्म को शुरुआती वीकेंड के साथ-साथ त्योहारों के दौरान भी दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।





सलमान खान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन

देशभक्ति और बलिदान की कहानी लेकर आए भाईजान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है।
ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है।
सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री कहानी को भावनात्मक मजबूती देती है। फिल्म की खूबसूरत लोकेशन, सिनेमैटोग्राफी और संगीत भी दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। फिल्म का संदेश है कि युद्ध का परिणाम कभी सुखद नहीं होता। इसमें दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है और इसका असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सैनिकों के परिवारों को भी लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और इसका निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में उपराष्ट्रपति जिब्रान ने दिया इस्तीफा, गहराया सियासी संकट

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो (जोकोवी) के 39 साल के बेटे जिब्रान के इस फैसले से राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और जोकोवी के बीच राजनीतिक गठबंधन पर संकट गहरा गया है। जिब्रान के सहयोगी बुडी एरी सेतियादी के मुताबिक, उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया है। जिब्रान की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बाद उनका राजनीतिक संकट बढ़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनका शैक्षणिक समकक्षता प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। वहीं, करीब 120 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। इस्तीफे के बाद संसद का उच्च सदन खाली पद की घोषणा कर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, प्राबोवो और जोकोवी का गठबंधन टूटने से सरकार की अस्थिरता बढ़ सकती है। जब पहले से ही सरकार आर्थिक नीतियों, निवेशकों के घटते भरोसे और मुफ्त स्कूली भोजन योजना से जुड़े विवादों का सामना कर रही है।

ट्रंप की जांच पर गार्सिया ने व्हाइट हाउस की चेतावनी ठुकराई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की ओवरसाइट समिति के आगामी अध्यक्ष रॉबर्ट गार्सिया ने बुधवार (स्थानीय समय) कहा है कि उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी नहीं मिली है। यह चेतावनी डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों पर संभावित कानूनी कार्रवाई और यूएस कांग्रेस की तरफ से की जाने वाली जांच से जुड़ी है। गार्सिया ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट ट्रंप प्रशासन की जांच से डरेंगे नहीं। उन्होंने जनवरी में समिति का नियंत्रण संभालने पर आक्रामक तरीके से निगरानी का संकल्प भी दोहराया। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने गार्सिया को पत्र भेजकर सांविधानिक सीमाओं से बाहर जांच न करने की चेतावनी दी है। हालांकि, एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि गार्सिया को वह पत्र नहीं मिला है। व्हाइट हाउस के वकील विल शार्फ ने पत्र में सांसदों से सांविधानिक सीमाओं के भीतर जांच करने की अपेक्षा की।

लॉस एंजिलिस सिटी अटॉर्नी चुनी गईं भारतीय मूल की मारिसा रॉय



वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की वकील मारिसा रॉय अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर की सिटी अटॉर्नी चुनी गई हैं। मेयर-इलेक्ट नित्या रमन के साथ ही भारत से जुड़ीं दो महिलाएं अब शहर के तीन प्रमुख निर्वाचित पदों में से दो पर काबिज होंगी। कैलिफोर्निया की डिप्टी अटॉर्नी जनरल रॉय ने पिछले सप्ताह हुए दूसरे चरण के चुनाव में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन मैककिनी को हराया। उनकी मां भारत से अमेरिका आकर बसी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान रॉय ने अपने परिवार के प्रवासी अनुभव को प्रमुखता से उठाया था। 'लॉस एंजिलिस टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रॉय की जीत और जून में दोबारा निर्वाचित हुए फिलिपिनो-अमेरिकी सिटी कंट्रोलर केनेथ मेजिया के साथ अब शहर के तीनों प्रमुख निर्वाचित पदों पर एशियाई-अमेरिकी प्रतिनिधित्व होगा। यह लॉस एंजिलिस के इतिहास में पहली बार है। रॉय ने अखबार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह केवल एशियाई-अमेरिकी समुदाय ही नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय के लिए भी एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। एक प्रवासी पृष्ठभूमि की मेयर और एक प्रवासी की बेटी का सिटी अटॉर्नी बनना लॉस एंजिलिस की ओर से यह संदेश है कि वह किस तरह का शहर है।' उन्होंने बताया कि भारत में रह रहे उनके रिश्तेदारों ने चुनाव पर करीबी नजर रखी थीं और जीत के बाद उन्हें व्हाट्सऐप पर बधाई संदेश भेजे। रॉय एशियन डेमोक्रेट्स ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी की संस्थापक बोर्ड सदस्य भी हैं। उनके चुनाव अभियान को कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा और सैन फ्रांसिस्को के सिटी अटॉर्नी डेविड चिउ का समर्थन मिला था।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में ढही 96 साल पुरानी तीन मंजिला रिहायशी इमारत

2 की मौत, 10 घायल, मलबे से गर्भवती महिला समेत दो को सुरक्षित बाहर निकाला



न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार शाम एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 2 की मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट और आपदा प्रबंधन दलों ने मलबे में दबे छह महीने की गर्भवती महिला समेत दो लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। फिलहाल मलबे के नीचे अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते युद्धस्तर पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। 1930 में बनी थी इमारत, चार परिवारों का था निवास हादसे का समयः न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब चार बजे के तुरंत बाद ब्रुकलिन स्थित इस इमारत के गिरने की सूचना प्राप्त हुई।

इमारत का इतिहासः वर्ष 1930 में निर्मित इस तीन मंजिला रिहायशी भवन में चार फ्लैट बने हुए थे। बगल में चल रहा था निर्माण कार्यः घटनास्थल की ड्रोन तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि ध्वस्त हुई इमारत का मलबा ठीक बगल में चल रहे एक निर्माण स्थल (कंस्ट्रक्शन साइट) के गहरे गड्ढे में जा गिरा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घायलों में बगल की साइट पर काम कर रहे निर्माण मजदूर भी शामिल हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशनः बाल्टियों से हटाया जा रहा मलबा, खोजी कुत्तों की मदद

गर्भवती महिला को सुरक्षित निकालाः हादसे के बाद मौके पर दर्जनों दमकलकर्मी, बचाव दल और खोजी श्वान (स्निफर डॉग्स) तैनात किए गए। इमारत का ढांचा अस्थिर होने के कारण बचावकर्मी बेहद सावधानी बरतते हुए हाथों और बाल्टियों के जरिए मलबा हटाते नजर आए। इस दौरान एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने स्थानीय चैनल से बातचीत में उम्मीद जताई कि बचाई गई महिला उनकी पत्नी हैं, जो छह महीने की गर्भवती हैं। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं।'

एक अन्य व्यक्ति का भी रेस्क्यूः महिला के बाद बचाव दल ने मलबे से एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। घायलों की स्थितिः फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों लोगों को निकालने से पहले तक कुल 10 घायलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था

स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने



उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है।

खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से लोगों की तलाश जारी

हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।

हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू

हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।



न्यूयॉर्क में सुनीता विलियम्स का खास सम्मान, बनीं ग्रैंड मार्शल, 20 हजार लोगों की परेड का किया नेतृत्व

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड के दौरान 'ग्रैंड मार्शल' के रूप में सम्मानित किया गया। यह परेड पूर्व सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की जाती है। नौसेना की सेवानिवृत्त कैप्टन सुनीता विलियम्स ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू पर 20,000 लोगों की परेड का नेतृत्व किया। सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'ग्रैंड मार्शल' बनना उनके लिए 'एक बहुत बड़ा सम्मान' है। उन्होंने याद करते हुए कहा, नौसेना में बिताए समय ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं, और इसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं न्यूयॉर्क के लोगों और पूरे अमेरिका के नागरिकों के साथ मिलकर, हर पीढ़ी के पूर्व सैनिकों की सेवा, बलिदान और समर्पण का सम्मान कर रही हूं। नासा से जुड़ने से पहले, विलियम्स एक टेस्ट पायलट थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में तीन मिशनों के दौरान कुल 608 दिन बिताए और एक महिला के रूप में सबसे अधिक नौ बार स्पेस वॉक करने का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें उन्होंने कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में बिताए। यह 107वीं वार्षिक 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड थी। इसमें हजारों पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सशस्त्र बलों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक समूहों और स्कूलों के दलों ने हिस्सा लिया, और कई बैंड भी शामिल हुए। परेड में कई कंपनियों की झांकियां थीं, जिनमें उनके यहां काम करने वाले पूर्व सैन्य कर्मियों को दिखाया गया था। परेड से एक दिन पहले, विलियम्स ने 'यूएसएस सैन एंटोनियो' जहाज पर मरीन कॉर्प्स की स्थापना की 251वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया।

पाकिस्तान में पुलिस टीम पर हमला, 11 की मौत

अवैध सोने की खदान पर छापेमारी करने गए थे, हमलावरों ने पहाड़ियों से गोलियां बरसाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक डीएसपी और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और हमलावरों के बीच भारी गोलीबारी हुई।

पुलिस ने टीटीपी पर हमले का आरोप लगाया

हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा जवान भेजे गए। पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायलों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय टीचिंग अस्पताल में इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस ने हमले के पीछे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों का हाथ बताया है। टीटीपी को



पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। यह पाकिस्तान में सक्रिय एक आतंकी संगठन है, जो पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ लड़ता है। टीटीपी पाकिस्तान में इस्लामी कानून यानी शरिया लागू करना चाहता है।

खुदाई मशीनें खड़ी करने पर रोक लगी थी

कोहाट में अवैध तरीके से सोना निकालने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पहले से कार्रवाई कर रहा था। हमले से एक दिन पहले ही डिप्टी कमिश्नर ने खनन वाले इलाकों में 60 दिनों तक खुदाई की मशीनें खड़ी करने पर रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि कुछ लोगों ने खनन वाले इलाकों के पास अपने घरों में ये मशीनें खड़ी कर रखी थीं। इनका इस्तेमाल चोरी-छिपे सोना निकालने में किया जा सकता था। कई बार कार्रवाई के बाद भी लोग इन मशीनों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए कर रहे थे। इसके अलावा, प्रशासन ने खुले डिब्बों और बोतलों में पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन बेचने और खरीदने पर भी रोक लगा दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध तरीके से सोना निकालने के काम में इनका इस्तेमाल किया जा रहा था।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस पर बढ़े आतंकी हमले

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला जारी है। पिछले एक महीने में यहां कई बार पुलिस को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में कई पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि कई घायल हुए हैं।

3 नवंबरः मोहम्मद जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की। इसमें 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हुआ।

29 अक्टूबरः बाजौर जिले में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई।

20 अक्टूबरः उत्तरी वजीरिस्तान में मीरानशाह बाईपास रोड के पास गोलीबारी में एक अतिरिक्त थाना प्रभारी की मौत हो गई।

7 अक्टूबरः कोहाट में आतंकियों ने पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

समाधि के पास ठहाके लगाना पड़ा भारी, अमेरिकी गार्ड ने रोका

रक्षा मंत्री हेगसेथ की टीम को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में वेटरंस डे समारोह के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चर्चा में ला दिया। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री अपनी पत्नी जेनिफर और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में अज्ञात सैनिक की समाधि के पास तस्वीरें खिंचवाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके समूह के कुछ सदस्य हंसते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहां तैनात अमेरिकी सेना के एक संतरी ने उन्हें तुरंत टोक दिया और स्मारक की गरिमा बनाए रखने की याद दिलाई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार हुई।



संतरी ने क्या कहकर रोका? : संतरी उस समय स्मारक की निगरानी कर रहा था। समूह के कुछ लोगों को हंसते और बातचीत करते देखकर उसने उन्हें नियमों की याद दिलाई। उसने साफ शब्दों में कहा, 'सभी आगंतुक हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखें।' यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में भी सामने आया है। इस समूह में हेगसेथ के अलावा उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार एवं डिप्टी असिस्टेंट टैमी राडाबॉ शामिल थे। घटना सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने संतरी की कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक ने स्मारक पर आने वाले लोगों को वहां की गरिमा बनाए रखने की उचित तरीके से याद दिलाई। पार्नेल के मुताबिक, रक्षा मंत्री और पूरा रक्षा विभाग अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का हमेशा सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस गंभीर दिन को याद करते हुए एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।'

अज्ञात सैनिक की समाधि इतनी खास क्यों है?: अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में स्थित अज्ञात सैनिक की समाधि अमेरिका के सबसे पवित्र सैन्य स्मारकों में गिनी जाती है। यहां प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए एक ऐसे अमेरिकी सैनिक को अंतिम विदाई दी गई थी, जिसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इस समाधि की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान संभालते हैं। इसे 'द ओल्ड गार्ड' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1948 से यहां लगातार संतरी तैनात हैं।



स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई। हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है। किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

ट्रंप-नेतन्याहू के बीच तीखी बहस का दावा, फोन पर बातचीत चिल्लाने तक पहुंची

ईरान पर कार्रवाई को लेकर उभरे मतभेद

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के खिलाफ युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें सामने आई हैं। इस्राइली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों के बीच ईरान को लेकर अमेरिकी और इस्राइली रणनीति पर मतभेद सामने आए। इस्राइल के समाचार संस्थानों येनेट और येदियोत अहरोनोत की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप पर ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने का दबाव बनाया। वहीं, ट्रंप ने तेहरान के साथ चल रही शांति वार्ता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं के बीच किस बात पर मतभेद? : रिपोर्टों के मुताबिक, नेतन्याहू लगातार अमेरिका से ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखकर कूटनीतिक बातचीत के जरिए रियायतें हासिल करना चाहते हैं। दोनों मीडिया संस्थानों ने सूत्रों के हवाले से बातचीत को बेहद तीखी बताते हुए इसे 'शाउटिंग मैच फ्रॉम हेल' यानी तीखी बहस कहा। हालांकि, इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच ससाहांत में बातचीत होने की पुष्टि की, लेकिन किसी टकराव से इनकार किया। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी बातचीत के दौरान झगड़े की खबरों को खारिज किया। कार्यालय ने इन रिपोर्टों को



'फेक न्यूज' बताया।

पहले भी फोन पर हुई थी तीखी बातचीत : ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर पहले भी फोन पर तीखी बातचीत हो चुकी है। जून में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर असहमति सामने आई थी। उस दौरान ट्रंप ने द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने नेतन्याहू को अपशब्द बोलते हुए पागल कहा था। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी कुछ दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि नेतन्याहू ट्रंप को रोजाना फोन कर ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्तूबर चुनाव के बाद नेतन्याहू की स्थिति पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव में सीटें गंवाने के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ दोबारा हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की मांग जारी रखी है। मंगलवार को 26वीं नेसेट विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व को बदलना ही उस खतरे को खत्म करने का एकमात्र रास्ता है, जिसे वह तेहरान का आतंक बताने वाली नीति और परमाणु कार्यक्रम से जोड़ते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान परमाणु खतरे को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। इस अस्तित्व के खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला शासन को हटाना है।'

ट्रंप ने फिर युद्ध शुरू करने से किया इनकार

नेतन्याहू की मांगों के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने के संकेत नहीं दिए हैं। वह आर्थिक दबाव अभियान जारी रखकर ईरान को बातचीत की मेज पर रियायतें देने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रविवार को '60 मिनट्स' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर शुरू करेंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हालिया बातचीत ने ईरान को लेकर उनकी अलग-अलग रणनीतियों को उजागर किया है। नेतन्याहू सैन्य कार्रवाई और सत्ता परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, जबकि ट्रंप कूटनीति और आर्थिक दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)